लखनऊ

शनिवार, 5 सितंबर, 202

वर्ष : 12 । अंक: 12

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मेहनत का फल और समस्या का हल हमेशा मीठा होता है, बस धैर्य की ज़रूरत होती है।

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
32°	28°
Hi	Low

संक्षेप

डिजिटल अरेस्ट पर वार, 20 राज्यों में 89 जगहों पर छापेमारी, 41 करोड़ से ज्यादा की ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े अपराधों के खिलाफ देश भर में सख्त कार्रवाई की है। 20 राज्यों में 89 जगहों पर छापेमारी की गई है। 'ऑपरेशन चक्र-VI' के तहत सीबीआई ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' की समस्या देश भर के नागरिकों के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। इन अपराधों के चिंताजनक स्तर को गंभीरता से लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह दोषियों और ऐसे अपराधों में मदद करने वाले बड़े नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे। 'डिजिटल अरेस्ट' के तीन केसों में 41 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी सामने आई है। संगठित साइबर अपराध के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, सीबीआई ने अलग-अलग राज्यों से 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े कई मामले अपने हाथ में लिए हैं। साइबर अपराधी कानून-प्रवर्तन और सरकारी अधिकारियों का रूप धरकर पीड़ितों को डिजिटल रूप से बंधक (डिजिटल अरेस्ट) बना लेते थे। उन्हें बड़ी रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करते थे। इनमें से तीन मामलों में, सीबीआई ने देश भर में समन्वित तलाशी अभियान चलाया है। इस दौरान धोखाधड़ी से हासिल पैसे का पता लगाने, सिंडिकेट के पीछे के लाभार्थियों और संचालकों की पहचान करने और सबूत नष्ट होने से पहले आपत्तिजनक सामग्री ज़ब्त करने के लिए एक साथ कार्रवाई की गई। ये ऑपरेशन विस्तृत वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बहुत सावधानी से प्लान किए गए थे, जिसमें बैंक खातों और ऑनलाइन अकाउंट एक्सेस डेटा की जांच शामिल थी।

हार्पर कॉलिन्स प्रकाशित करेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा, 10 नवंबर को रिलीज होगी बुक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग :ए जर्नी ऑफ लव' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अब इस किताब को भारत में हर्परकॉलिन्स प्रकाशित करेगा। इससे पहले पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने इस किताब को भारत में छापने से इनकार कर दिया था। दरअसल, पेंगुइन की तरफ सोनिया गांधी की किताब की पांडुलिपि के कुछ हिस्सों में कुछ बदलाव की मांग की थी। कुछ हिस्सों को हटाने का भी सुझाव दिया था।लेकिन सोनिया गांधी ने किताब में किसी भी तरह के बदलाव करने मना कर दिया था। सोनिया गांधी का कहना था कि यह किताब उनके जीवन की कहानी है। वह इसमें ऐसा कोई संशोधन नहीं चाहती हैं, जिससे तथ्यों या उनके दृष्टिकोण का रूप बिगड़े। इसके बाद उनकी पेंगुइन इंडिया के साथ डील रद्द हो गई। हालांकि, सोनिया गांधी की किताब का इंटरनेशनल संस्करण 'अल्फ्रेड ए। नॉफ' प्रकाशित कर रहा है,जो जो पेंगुइन रैंडम हाउस का ही हिस्सा है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा इस किताब को छापने से मना करने के बाद कांग्रेस नेताओं ने इस कदम को राजनीतिक दबाव और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करार दिया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने बयान जारी कर कहा था कि उसपर किसी तरह का राजनीतिक दबाव नहीं था।

आसमान में भारत की 'आंख' तैनात! GSLV-F17 मिशन हुआ सफल, ISRO चीफ बोले- इस साल 6 और धाकड़ मिशन होंगे लॉन्च!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शुक्रवार को GSLV-F17 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए घोषणा की कि उन्नत अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट (EOS-05) को उसकी निर्धारित और आवश्यक कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। उन्होंने इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए पुष्टि की कि उपग्रह पूरी तरह से सामान्य और ठीक स्थिति में काम कर रहा है।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान

भरने के लगभग 18 मिनट बाद, EOS-05 सैटेलाइट को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ISRO चीफ ने बताया कि यह भारत के इतिहास में पहली बार है जब किसी अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह को 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित जियो-प्लेटफॉर्म पर तैनात किया गया है। नारायणन ने कहा कि सैटेलाइट की तय लाइफटाइम सात साल है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि यह नौ साल तक काम करता रहेगा।

उन्होंने कहा, 'इस सैटेलाइट की अहमियत यह है कि यह पहला सैटेलाइट है जिसे हमारे देश के अर्थ ऑब्ज़र्वेशन मक़सद और कई तरह के इस्तेमाल के लिए 36,000 km ऊँचे जियो-प्लेटफ़ॉर्म पर लगाया जा रहा है। यह आज तक GSLV व्हीकल से लॉन्च किया गया सबसे भारी सैटेलाइट है... इस फाइनेंशियल ईयर में यह दूसरा सफल मिशन है।'

गगनयान मिशन और आगामी योजनाएं

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान ISRO प्रमुख ने भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन पर भी अपडेट साझा किया:

मानव सुरक्षा प्राथमिकता: गगनयान मिशन पर काम अत्यंत व्यवस्थित और जोर-शोर से चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि इसमें मानव जीवन शामिल है, इसलिए सुरक्षा सर्वोपरि है। अब तक लगभग 8,000 परीक्षण (Tests) पूरे किए जा चुके हैं।

तीन मानवरहित मिशन: मुख्य क्रू (मानव-सहित) मिशन से पहले ISRO तीन अनक्रूड (बिना क्रू वाले) मिशनों की योजना बना चुका है ताकि हर तकनीक को पूरी तरह परखा जा सके।

आगामी लक्ष्य: ISRO चालू वित्तीय वर्ष के भीतर 6 और प्रक्षेपण (Launches) करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

'गगनयान मिशन पर ज़ोर-शोर से काम चल रहा है'

मीडिया ब्रीफ़िंग के दौरान, नारायणन ने कहा कि इस कैलेंडर ईयर में पहले बिना क्रू वाले गगनयान मिशन पर रज़ोरदार और व्यवस्थित तरीके से' काम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ISRO इस फाइनेंशियल ईयर में छह और लॉन्च करने का लक्ष्य रख रहा है। उन्होंने कहा, 'गगनयान एक टेक्नोलॉजी-बेस्ड मिशन है। आज तक, लगभग 8000 टेस्ट पूरे हो चुके हैं। दूसरे सैटेलाइट मिशन के उलट, इसमें इंसान शामिल हैं, इसलिए इंसानों की सुरक्षा बहुत ज़रूरी है। इसलिए, हमने तीन बिना क्रू वाले मिशन और उसके बाद क्रू वाले मिशन की योजना बनाई है।'

GSLV-F17 लॉन्च

एडवांस्ड अर्थ ऑब्ज़र्वेशन स्पेसक्राफ्ट, जो जियो-ऑर्बिट में भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, उसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से GSLV रॉकेट के ज़रिए सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। स्पेसपोर्ट से उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद, EOS-05 सैटेलाइट को तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। इस मिशन से जुड़े एक सीनियर साइंटिस्ट ने सैटेलाइट को 'आसमान में मौजूद आंख' कहा है। यह सैटेलाइट रियल-टाइम तस्वीरें उपलब्ध कराएगा और कृषि व आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में देश की मदद करेगा।

'बाबर-औरंगजेब में विश्वास रखने वाले आपकी आस्था का सम्मान नहीं कर सकते', जन्माष्टमी पर मथुरा में गरजे सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिन लोगों की आस्था बाबर और औरंगजेब में है, वे सनातन और देश की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने और युवाओं, बहन-बेटियों, किसानों व उद्यमियों के हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन डबल इंजन की सरकार उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी।

सीएम योगी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहने के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर

पुष्प वर्षा भी की।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह सरकार श्रीकृष्ण कन्हैया, प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी में आस्था रखती है, लेकिन जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में होगी, क्या वे आपकी आस्था का सम्मान कर पाएंगे? उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की आदत समाज में विष घोलने की रही है, जिससे समाज विरोधी और राष्ट्र विरोधी तत्वों के हौसले बढ़ सकें। ऐसे तत्व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने, बहन-बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने, किसानों की खुशहाली पर डकैती डालने और कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों को फिर से लाचार बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

'मिटाने वाले खुद मिट्टी में मिल गए'

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उनके इन मंसूबों पर पानी फेर देगी और उन्हें कभी सफल नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में करीब 500 वर्ष पहले विदेशी आक्रांता ने हमारी आस्था को समाप्त करने का प्रयास किया था। जो लोग स्वयं को अविजित मानते थे, वे आज समाप्त हो चुके हैं। सनातन की आस्था को मिटाने का अनेक बार प्रयास हुआ, लेकिन कोई इसे समाप्त नहीं कर पाया। जिन्होंने ऐसा दुस्साहस किया, वे स्वयं मिट्टी में मिल गए और आज उनका नाम लेने वाला भी कोई नहीं है।

कुछ लोगों को भव्य मंदिर अच्छा नहीं लग रहा- सीएम योगी

सीएम योगी ने आगे कहा कि भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है और ऐसे लोग अयोध्या को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि अयोध्या और काशी की तरह मथुरा-वृंदावन में भी भव्य परिसर विकसित हो और पूरे ब्रज क्षेत्र का विकास लोगों की भावनाओं के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि मथुरा हो, नंदगांव हो, बरसाना हो, गोवर्धन हो या वृंदावन, पूरा ब्रज आपकी भावनाओं के अनुरूप विकसित होगा। इसमें कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

पिछली सरकारों को वोट बैंक की चिंता रहती थी

उन्होंने कहा कि इस संबंध में बैठक कर अधिकारियों के सामने भी सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों को अपने वोट बैंक की चिंता रहती थी। वे ब्रज में आने से डरते थे कि कहीं उनका वोट बैंक न खिसक जाए। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि उनके शासनकाल में जवाहरबाग जैसी घटनाएं हुईं, जबकि अब ब्रज में ऐसे कांड नहीं बल्कि रंगोत्सव और ब्रजराज उत्सव होते हैं।

हर जन्माष्टमी पर ब्रज आना सौभाग्य की बात है

उन्होंने कहा कि हर जन्माष्टमी पर मथुरा आकर ब्रजवासियों को सम्मान देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। भगवान श्रीकृष्ण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, कर्तव्य के पथ पर चलते हुए देश, सनातन और मानवता के लिए काम करना।

सरकार का प्रयास आस्था के प्रमुख केंद्रों का भव्य रूप देना

सीएम योगी ने कहा कि करीब 5,200 वर्ष पहले भगवान श्रीकृष्ण ने इसी पावन भूमि पर प्रकट होकर धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना का संदेश दिया था। भारत ने अनेक आक्रमणों और चुनौतियों का सामना किया, लेकिन सनातन की आस्था को कोई समाप्त नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय दिखाई दे रहा है। सरकार का प्रयास है कि आस्था के प्रमुख केंद्रों को भव्य स्वरूप देने के साथ ही विकास की गति को भी आगे बढ़ाया जाए।

26 जिलों में 17500 से अधिक लोग सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के बाढ़ प्रभावित 26 इलाकों से 17,500 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है और बाढ़ से अब तक किसी भी व्यक्ति या मवेशी की जान जाने की खबर नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, बाढ़ से करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, कम से कम 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है, जबकि 4,847 लोग वर्तमान में राहत आश्रयों में रह रहे हैं। सरकार ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि राज्य भर में कुल 1,312 बाढ़ आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं, जबकि 1,634 बाढ़ चौकियां, 1,697 नावें और मोटरबोट और 1,068 मेडिकल टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। राहत तंत्र ने प्रभावित लोगों के बीच 72,897 खाद्य राहत पैकेट और 3,67,551 लंच पैकेट वितरित किए हैं। स्वास्थ्य और स्वच्छता उपायों के तहत 5.52 लाख से अधिक क्लोरीन की गोलियां और 1.87 लाख ओआरएस पैकेट भी वितरित किए गए हैं। पशुओं के लिए 5,000 क्विंटल से अधिक चारा उपलब्ध कराया गया है। बयान में कहा गया है कि बाढ़ से 45,000 से अधिक पशु प्रभावित हुए हैं, लेकिन किसी पशुधन की मौत की सूचना नहीं है।

चीन की 'आंखों का मर गया पानी', शशि थरूर ने लिखा, भारत-नेपाल के साथ लेनदेन वाला रवैया रखता है बीजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर ने हाल ही में आई नेपाल आपदा पर एक लेख लिखा है। इसमें उन्होंने हिमालयी एशिया की नाज़ुक और आपस में जुड़ी हुई पारिस्थितिक सच्चाई बयान की है। शशि थरूर ने लिखा-एक सम्मेलन में सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता रबी लामिछाने ने एक ऐसी मार्मिक बात कही जो आम राजनयिक बातों से कहीं अलग और गहरी थी। उन्होंने चलते-चलते यह बात कही कि भारत, चीन और नेपाल के बीच चाहे जो भी भू-राजनीतिक तनाव, रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता या सीमा विवाद हों, ये तीनों देश अनिवार्य रूप से एक ही एकीकृत पर्वत प्रणाली का हिस्सा हैं। उनकी बातों ने काठमांडू में मौजूद लोगों की उस साझा भावना को उजागर किया। यह त्रासदी केवल एक अलग-थलग स्थानीय घटना नहीं थी, बल्कि तेजी से बढ़ती ग्लोबल वॉर्मिंग का एक स्पष्ट प्रमाण थी।

> यह एक कड़वी विडंबना है कि नेपाल, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन न के बराबर है, उसे वैश्विक जलवायु परिवर्तन के सबसे कठोर और तत्काल परिणामों का सामना करना पड़ता है। वहीं, उसके विशाल और अत्यधिक औद्योगिक पड़ोसी खासकर उत्तर की ओर स्थित देश वायुमंडलीय वॉर्मिंग के उस बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके कारण हिमालय के ग्लेशियर टूट रहे हैं।
>
> **शशि थरूर, कांग्रेस**

नेपाल कम प्रदूषण फैलाता है, मगर भुगतता ज्यादा: शशि थरूर

थरूर ने लिखा-यह एक कड़वी विडंबना है कि नेपाल, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन न के बराबर है, उसे वैश्विक जलवायु परिवर्तन के सबसे कठोर और तत्काल परिणामों का सामना करना पड़ता है, जबकि उसके विशाल और अत्यधिक औद्योगिक पड़ोसी खासकर उत्तर की ओर स्थित देश वायुमंडलीय वॉर्मिंग के उस बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके कारण हिमालय के ग्लेशियर टूट रहे हैं। थरूर का इशारा जाहिर है चीन की ओर था, जो नेपाल के उत्तर में है।

सिक्किम में 40 ग्लेशियल झीलें बनीं बड़ा खतरा, 16 पर सबसे ज्यादा जोखिम, क्या फिर आ सकती है 2023 जैसी तबाही

गंगटोक। हिमालयी राज्यों में ग्लेशियरों के पिघलने और उनसे बन रही झीलों ने खतरे की नई घंटी बजा दी है। सिक्किम में 40 ऐसी ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिन्हें हाई-हजार्ड यानी ज्यादा खतरे वाली माना गया है। इनमें 16 झीलें सबसे ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में हैं। अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो नीचे बसे इलाकों में तेज पानी पहुंच सकता है और बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है।

सिक्किम में कितनी झीलें सबसे ज्यादा खतरे में हैं?

सिक्किम के अधिकारियों के अनुसार, 40 हाई-हजार्ड ग्लेशियल झीलों में 16 को कैटेगरी ए यानी सबसे ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया

है। दो झीलें कैटेगरी बी यानी हाई रिस्क और नौ कैटेगरी सी यानी मध्यम से कम जोखिम वाली हैं। 13 झीलों को अभी किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है। अधिकारियों के मुताबिक ग्लेशियल झीलें ग्लेशियरों के पिघलने से जमा हुए पानी से बनती हैं। जब पानी बहुत ज्यादा बढ़ जाता है या भूकंप जैसे कारणों से प्राकृतिक बांध टूटता है तो ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी जीएलओएफ आ सकती है।

क्या होती है ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड?

हिमालयन रीजन में ग्लेशियर के नीचे वाले हिस्से में उसके पिघलने वाले पानी से बड़ी लेक तैयार हो जाती है

अधिकता की वजह से कभी-कभी पानी का जमाव बाढ़ के रूप में अपनी सीमाएं तोड़ देता है

2023 में सिक्किम में क्या हुआ था?

सिक्किम पहले ही ऐसी आपदा का खामियाजा भुगत चुका है। अक्टूबर 2023 में आई ग्लेशियल झील फटने की घटना में कम से कम 60 लोगों की मौत हुई थी। मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इस आपदा में एक बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट का महत्वपूर्ण हिस्सा चुंगथांग बांध भी नष्ट हो गया था। इसी घटना ने राज्य में ग्लेशियल झीलों से जुड़े खतरे को लेकर तैयारी मजबूत करने की जरूरत साफ कर दी।

सरकार खतरे को रोकने के लिए क्या कर रही है?

सिक्किम में झीलों पर नजर रखने के लिए रिमोट सेंसिंग और सैटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को फरवरी 2025 में जीएलओएफ के खतरे का आकलन और उससे बचाव के अध्ययन के लिए नोडल विभाग बनाया गया था। राज्य देश का पहला समर्पित जीएलओएफ जोखिम न्यूनीकरण प्रोटोकॉल तैयार करने की दिशा में भी काम कर रहा है। इसके तहत पानी का स्तर, पानी के बहाव, झील की गहराई, भूगर्भीय स्थिति और बाढ़ के संभावित रास्तों का अध्ययन किया जा रहा है।

किन झीलों पर खास नजर है?

अधिकारियों के मुताबिक सभी झीलों के लिए एक जैसा बचाव तरीका लागू नहीं किया जा सकता।

इसलिए ल्होनाक कॉम्प्लेक्स, शाको छो झील और गुरुडोंगमार कॉम्प्लेक्स के लिए अलग-अलग योजनाएं तैयार की गई हैं।

शाको छो को सिक्किम सरकार ने जीएलओएफ के लिहाज से सबसे संवेदनशील माना है।

इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी गई है और शुरुआती परियोजना रिपोर्ट जल शक्ति मंत्रालय को दी गई है।

एनएसए के तहत गिरफ्तारी, इलाहाबाद हाई कोर्ट से मिली रिहाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आकृति चौधरी की हिरासत को रद्द कर दिया। आकृति को अप्रैल में नोएडा में वर्कर्स के विरोध-प्रदर्शन के दौरान भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था। अब हाई कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें राहत मिली है। आकृति की उम्र 25 साल है। वो इस मामले में पिछले 5 महीने से हिरासत में थीं। उन्होंने बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट के तहत कोर्ट में याचिका दायर की थी। अप्रैल की शुरुआत में नोएडा में 40,000 से ज्यादा फैक्ट्री वर्कर्स का एक बड़ा विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो गया था। ये प्रदर्शनकारी ज्यादा वेतन और काम की बेहतर स्थितियों की मांग कर रहे थे। जानते हैं इस मामले में राहत पाने वाली आकृति चौधरी के बारे में। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर की रहने वाली आकृति ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से

जन्माष्टमी 2026: गो पूजन किया, श्रद्धालुओं पर बरसाए फूल, कृष्ण जन्मभूमि पर सीएम योगी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मथुरा में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह 10 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सीएम योगी के मुख्यमंत्री के जन्मस्थान पहुंचते ही पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में रहे। जन्मस्थान पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले गोप पूजन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भागवत भवन पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

पूजा-अर्चना के दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष देशवासियों के कल्याण और प्रदेश की उन्नति की प्रार्थना की। जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में उमड़े श्रद्धालुओं में भी मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उन्हें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। पुष्प वर्षा होते ही श्रद्धालुओं में उत्साह और बढ़ गया तथा पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत पर कई बार आक्रांताओं ने आक्रमण किए। देश की संस्कृति और सनातन परंपराओं को कमजोर करने के प्रयास भी हुए, लेकिन सनातन की आस्था और विश्वास को कोई डिगा नहीं सका। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचता है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जन्मस्थान की ओर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई।

जन्माष्टमी के मौके पर देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंचे हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान भी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। कान्हा की जन्मभूमि पर मुख्यमंत्री के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ जन्माष्टमी का धार्मिक उत्साह और भी बढ़ गया।

संक्षेप

बालिका इंटर कॉलेज, में हुआ तृतीय सोपान शिविर का शुभारंभ

अमेठी। डॉ0 राजेश कुमार द्विवेदी, डीआईओएस/जिला मुख्यायुक्त के आदेशानुसार तहसील अमेठी में पंचदिवसीय तृतीय सोपान जांच शिविर का आयोजन पीएमश्री जीजीआईसी, अमेठी में किया गया। जिसका शुभारंभ जनपद की जिला आयुक्त (गाइड) डॉ0 फूलकली गुप्ता द्वारा किया गया। जिनके साथ मौके पर शिविर एलओसी के रूप में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट/गाइड) शशांक यादव व गरिमा यादव के साथ जिला ट्रेनिंग काउंसलर्स मो0 शकील खान, सचिन शर्मा, सचिन विश्वकर्मा, स्काउट मास्टर बद्रीप्रसाद शुक्ला, नीरज रावत, पवन कुमार सिंह गाइड कैप्टन अनीता यादव उपस्थित रहीं। इस शिविर में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अमेठी, श्री शिव प्रताप इंटर कॉलेज, अमेठी, सेपियन स्कूल-अमेठी और श्री जंग बहादुर सिंह इंटर कॉलेज, अमेठी से आए स्काउट्स और गाइड्स ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रथम एवं द्वितीय दिवस में चले इस कड़े प्रशिक्षण और जांच शिविर में बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास को परखने के लिए कई परीक्षण आयोजित किए गए। जिसके अंतर्गत प्रवेश, प्रथम सोपान व द्वितीय सोपान के पाठ्यक्रम के साथ अनुशासन से संबंधित विषय सम्मिलित रहे। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की जान बचाना और सामाजिक सेवा के प्रति जागरूक रहने की विधिवत जानकारी प्रदान की गई।

आत्मा योजनान्तर्गत कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

नैनी(प्रयागराज)। प्रसार निदेशालय सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद-सोनभद्र के कृषकों का पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम किया गया। निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने विश्वविद्यालय के शोध कार्य के नवीन तकनीकियों से खाद्यान्न उत्पादन सुरक्षा के संबंध में सूचित किया। कहा कि उ0प्र0 सरकार के सहयोग से कृषकों का कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में प्रशिक्षण का कार्यक्रम प्रसार निदेशालय के माध्यम से निरंतर संचालित किया जा रहा है जिसका क्षेत्र में उत्पादकता एवं गुणवत्ता तथा कृषकों के आय में वृद्धि हो रही है। श्रीमती मीना नेथन ने प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को मोटे अनाजों की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि मोटे अनाजों के दैनिक उपयोग से ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण की समस्या को प्रभावी रूप से दूर किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रयागराज के प्रभारी डा0 मुकेश पी. मसीह ने कृषकों को संरक्षित खेती (पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस) के माध्यम से कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन तकनीकी से संबधित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक एवं वैज्ञानिक डा0 टी. डी. मिश्रा ने कहां कि आज के आधुनिक युग में खेती-किसानी द्वारा आर्थिक स्थिति को सुधारना है तो नवीन तकनीकियों, नवीन प्रजातियों, बीज शोधन, कीट रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन समयानुसार करना होगा अन्यथा कृषकों को हानि का सामना करना पड़ सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के दौरान कृषकों को प्रशिक्षण साहित्य, प्रमाण पत्र, बैग, यात्रा-भत्ता प्रदान किया गया तथा प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी0डी0 मिश्रा, संयुक्त निदेशक प्रसार प्रो0 (डा0) ए0के0 चौरसिया, डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 सरवेन्द्र कुमार, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 शिशिर कुमार एवं कार्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

फतेहपुर बना शिव शक्ति अखाड़ा का गढ़

रायबरेली। शिव शक्ति अखाड़ा निरंजनी लगातार जनपद फतेहपुर में अपनी बैठकों के द्वारा गढ़ बनता जा रहा है। भिटौरा ब्लॉक संयोजक आलोक कश्यप द्वारा बड़ी बैठक का आयोजन किया गया जहां सैकड़ों हिंदू भाई शिव शक्ति अखाड़ा में जुड़े और संकल्प लिया कि हम सभी धर्म विरोधी गतिविधियां बिल्कुल नहीं होने देंगे संवैधानिक तरीके से अपने धर्म और राष्ट्र हेतु संघर्ष करेंगे ।। मुख्य वक्ता के रूप में नरेंद्र हिंदू प्रांत गौ रक्षा प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि जातिवाद का जहर एक दिन देश को ही संकट में डाल देगा इसलिए सप्त ऋषि और गोत्र के आधार को वरीयता देकर ही जातिवाद पर प्रहार किया जा सकता है। इस मौके पर रायबरेली के कट्टर सनातनी विकास दिवाकर ने कहा कि आज कृष्ण जन्माष्टमी है हम सभी को धर्म की स्थापना हेतु कृष्ण की शिक्षा और उपदेश से सीखने की आवश्यकता है ।

अंकित हत्याकांड : 'सुमित-मोहित का एनकाउंटर नहीं, हत्या हुई', भोलू शाहपुरिया के नाम से इंस्टा-पोस्ट वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस जांच के बीच सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट सामने आने से हलचल मच गई है। बृहस्पतिवार शाम सोनीपत के गोगी गिरोह से जुड़े बताए जा रहे भोलू शाहपुरिया के नाम से बनाई गई इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट डाली गई। इसमें दावा किया गया कि अंकित हत्याकांड में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए सुमित और मोहित का एनकाउंटर नहीं हुआ, बल्कि उनकी हत्या की गई।

वायरल पोस्ट में दावा किया गया कि सुमित और मोहित को 30 अगस्त की रात पंजाब के अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पास एक होटल से उठाया गया और बाद में शामली लाकर उनकी हत्या कर दी गई। पोस्ट में पुलिस मुठभेड़ की कार्रवाई को गलत बताया गया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पोस्ट में अंकित बालियान को निर्दोष बताए जाने का भी दावा किया गया है। इसमें सोशल मीडिया पर भड़काऊ या उकसाने वाली पोस्ट से स्वयं को अलग बताया गया है। पोस्ट के अंत में 'गोगी भाई' लिखा गया है।

पुलिस बोली- आईडी और पोस्ट की हो रही जांच

शामली के एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पोस्ट किस व्यक्ति ने डाली है, इसकी जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इंस्टाग्राम आईडी वास्तव में भोलू शाहपुरिया की है या किसी अन्य व्यक्ति ने उसके नाम से इसे बनाया है। पुलिस पोस्ट की सामग्री, आईडी और इससे जुड़े तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

27 अगस्त को इसी नाम से अंकित की हत्या की जिम्मेदारी ली गई थी

इससे पहले 27 अगस्त को भी इसी नाम से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई थी। उसमें अंकित बालियान की शामली में हत्या की जिम्मेदारी भोलू शाहपुरिया के नाम से ली गई थी।

उस पोस्ट में अंकित पर दुश्मनों का साथ देने और गोगी गिरोह के खिलाफ गाना बनाने का आरोप लगाया गया था। साथ ही धमकी भरा संदेश भी पोस्ट किया गया था। बाद की जांच में पुलिस ने दावा किया था कि जिम्मेदारी लेने वाली पोस्ट कनाडा में बैठे चिराग और अमेरिका में बैठे मोंटी ने भोलू शाहपुरिया के नाम से डाली थी।

एनकाउंटर की कार्रवाई भी जांच के दायरे में

अंकित हत्याकांड में 31 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में सुमित और मोहित की मौत हुई थी। इसके बाद इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अब भोलू शाहपुरिया के नाम से सामने आई नई पोस्ट में भी एनकाउंटर को हत्या बताया गया है।

वहीं, इस मुठभेड़ की जांच को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग की ओर से शामली जिलाधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट मांगे जाने की प्रक्रिया भी सामने आ चुकी है।

पोस्ट की सत्यता सामने आने के बाद ही होगी स्थिति स्पष्ट

फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट की तकनीकी जांच कर रही है। आईडी किसकी है, पोस्ट किसने डाली और इसमें किए गए दावे वास्तविक हैं या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस अंकित हत्याकांड से जुड़े सोशल मीडिया नेटवर्क और इसके पीछे सक्रिय लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है।

17 करोड़ के जाली नोट मामले में नया अपडेट : पार्ट टाइम हाउस कीपर के हाथ में थी RBI को 111 करोड़ भेजने की कमान

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। पीएनबी की करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ रुपये के जाली नोट बरामद हो चुके हैं। पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट से भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के करेंसी चेस्ट सहारनपुर के माध्यम से रिजर्व बैंक आफ इंडिया (RBI) जयपुर भेजी गई करेंसी नकली मिलने के बाद विभिन्न जांच एजेंसियां जांच में लगी हुई है। बताया जा रहा है कि 6 जुलाई 2026 को सहारनपुर से आरबीआई जयपुर के लिए 111 करोड़ रुपये की करेंसी भेजी गई थी। इस खेप में 500 रुपये के 1900 बंडल और 200 रुपये के नोट के 800 बंडल शामिल थे। करेंसी की पैकिंग और भेजने की प्रक्रिया एक पार्ट टाइम हाउस कीपर को सौंपी गई थी।

घंटाघर के सोफिया मार्किट स्थित पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट से एसबीआई करेंसी चेस्ट सहारनपुर के माध्यम से 111 करोड़ रुपये की जीर्ण व गली हुई करेंसी आरबीआई जयपुर को भेजी गई थी। करेंसी चेस्ट से बड़ी मात्रा में नकदी दूसरे शहर स्थित आरबीआई कार्यालय तक भेजे जाने की प्रक्रिया में कई स्तरों पर जांच और सुरक्षा व्यवस्था का प्रावधान होता है। बता दें कि 6 जुलाई को भेजी गई इस करेंसी खेप में 500 रुपये के 1900 बंडल में 19 लाख नोट थे। इसी तरह 200 रुपये के 800 बंडल में आठ लाख नोट खेप का हिस्सा बताए गए हैं।

मामले में सबसे अहम सवाल यह है कि करेंसी की गिनती, बंडलिंग, पैकिंग, सीलिंग और डिस्पैच की प्रक्रिया में किन-किन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी और उनके पास किस स्तर की अधिकृत जिम्मेदारी थी। यदि पार्ट टाइम हाउस कीपर को करेंसी से संबंधित किसी कार्य में लगाया गया था, तो यह भी जांच का विषय हो सकता है कि उसे किस अधिकारी के आदेश पर और किस काम के लिए लगाया गया था। पीएनबी के मुख्य प्रबंधक अरुण कुमार चौबे की शिकायत में 111 करोड़ रुपये भेजने की बात कहीं गई है। एफआइआर में भी 111 करोड़ रुपये की कीमत दिखाई गई है।

रिकॉर्ड से खुलेगा पूरा राज

मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए छह जुलाई के करेंसी डिस्पैच से जुड़े दस्तावेज अहम साबित हो सकते हैं। करेंसी चेस्ट का कैश रिकार्ड, बंडल संख्या, पैकिंग और सीलिंग का विवरण, डिस्पैच रजिस्टर, संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी और आरबीआइ जयपुर में करेंसी प्राप्त होने के बाद दर्ज विवरण का मिलान किया जाना जरूरी है। यदि सहारनपुर से भेजी गई करेंसी और जयपुर में प्राप्त करेंसी के विवरण में कोई अंतर पाया जाता है तो मामला और गंभीर हो सकता है। वहीं, यदि सभी रिकार्ड सही पाए जाते हैं तो पार्ट टाइम कर्मचारी को करेंसी से जुड़े काम में लगाए जाने की प्रक्रिया और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी की भूमिका की जांच महत्वपूर्ण होगी। करेंसी चेस्ट बैंकिंग व्यवस्था का अत्यंत संवेदनशील हिस्सा होता है। यहां नकदी के रखरखाव और एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए निर्धारित नियम और सुरक्षा प्रोटोकाल होते हैं।

स्मार्ट सिटी वाराणसी में अपराधियों के लिए कहर बन रही तीसरी नजर

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। स्मार्ट सिटी वाराणसी में अपराधियों के लिए कहर बन रही तीसरी नजर।अनजाने में भी अपराधी ने शहर की दहलीज लांघी तो वाहनों के नंबर प्लेट व चेहरे पहचाने वाले कैमरे अपना काम कर गुजरेंगे। पुलिस के लिए चेहरे व वाहनों के नंबर प्लेट ही अपराधियों के बाहें मरोड़ने के लिए पर्याप्त साबित होते हैं।

आंकड़ों के आइने में दो वर्षों में 671 पर्यटकों के विभिन्न गाड़ियों में छूटे उनके सामान ढूढ़ने और 99 गुमशुदा को अपनों से मिलाने स्पष्ट है कि काशी में तीसरी नजर (त्रिनेत्र कमांड सेंटर) की निगाहें सबके ऊपर हैं, जो शरीफों को संतुष्ट दे रहीं तो अपराधियों पर कहर बरपा रहीं हैं।

गाजीपुर में बिंदु होटल मालिक के बेटे को कटरा गैंग के बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाश वारदात के बाद वाराणसी की ओर भागे। वाराणसी में बदमाशों ही एंट्री के साथ ही उनका डिजीटल पीछा शुरू हो गया। विशेषज्ञों ने कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया तो एएनपीआर (आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरे की सहायता से वाहन का नंबर प्लेट भी ट्रेस कर लिया गया।वाहन नंबर का सुराग मिलते ही पुलिस के लिए मर्डर मिस्ट्री का सुलझाना आसान हो गया।

अपाचे बाइक की पहचान से खुली ढाई करोड़ चोरी

बीते तीन जून को शिवपुर (वाराणसी) में लगभग ढाई करोड़ की चोरी हुई। पुलिस जांच में जुटी तो शिवपुर, रामेश्वरम मोड़, अकथा, पहाड़िया सहित विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण करने पर अपाचे बाइक सवार तीन संदिग्ध युवक दिख गए। अलग-अलग कैमरों की फुटेज को जोड़कर संदिग्धों की गतिविधि ट्रैक की गई, उनकी पहचान और लोकेशन मिल गई।इसका असर हुआ कि चोरी गए एक-एक जेवरात मिल गए।

वृंदावन होटल में जन्माष्टमी के बहाने सपा ने साधा सियासी निशाना

» बुद्धिजीवी, दलित, पिछड़े और वंचितों को साथ लेकर बनाएंगे नई राजनीतिक ताकत

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। जनपद की नगर पंचायत क्षेत्र स्थित वृंदावन होटल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धार्मिक उल्लास के साथ-साथ सियासी रंग में भी नजर आया। समाजवादी पार्टी के नेता शिव प्रताप यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने सहभागिता की। मंच से वक्ताओं ने धार्मिक आयोजन के बीच आगामी राजनीतिक परिस्थितियों और समाजवादी पार्टी की भूमिका को लेकर खुलकर अपनी बात रखी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा नेता शिव प्रताप यादव ने कहा कि आने वाला समय समाजवादी पार्टी का है और प्रदेश में फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। विशेष रूप से बुद्धिजीवी वर्ग, दलित, पिछड़े और वंचित समाज को राजनीतिक रूप से जोड़कर मजबूत सामाजिक गठजोड़ तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन अन्याय के खिलाफ संघर्ष और धर्म की स्थापना का संदेश देता है। ऐसे में समाज को भी आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वहीं समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने मीडिया को लेकर भी तीखा राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में करीब 90 प्रतिशत मीडिया समाजवादी पार्टी के साथ है, जबकि शेष 10 प्रतिशत मीडिया दविपक्ष के साथ है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में विपक्ष के साथ खड़े मीडिया के लोगों को भी अपने पक्ष में जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। धजन्माष्टमी समारोह में धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी दिखाई दिया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं ब्राह्मण समाज से आए लोगों को भोजन कराने के बाद दक्षिणा देकर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। आयोजकों ने इसे सामाजिक भाईचारे और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की पहल बताया। कार्यक्रम में अधिवक्ता विजय यादव, श्रीकृष्ण यादव, दिनेश यादव, गुंजन सिंह, इंजीनियर के डी यादव, अधिवक्ता राजेश मिश्रा, बृजेश पांडेय, संतदीन यादव, राजेश यादव, प्रमोद यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

200 किलो चांदी से सजा गर्भगृह, स्पेशल पोशाक में दर्शन देंगे लड्डू गोपाल; रत्नों से दमकेगा मुकुट

आज देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूम-धाम से मनाया जाएगा

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। इस बार जन्मोत्सव को गौ रक्षा-राष्ट्र रक्षा के संकल्प को समर्पित किया गया है। जन्मोत्सव से एक दिन पहले गुरुवार शाम भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पोशाक और श्रृंगार के दर्शन भक्तों को कराए गए। पूरा परिसर जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के लिए जन्मस्थान परिसर की सजावट को खास रूप दिया गया है। इस बार गर्भगृह की भव्य सजावट में करीब 200 किलोग्राम चांदी का इस्तेमाल किया गया है। चांदी से की गई यह सजावट श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मंदिर परिसर में जन्मोत्सव की तैयारियों के साथ-साथ भगवान के विशेष श्रृंगार और पूजा की व्यवस्थाएं भी की गई हैं। जन्म की मध्यरात्रि में होने वाले मुख्य आयोजन को लेकर मंदिर प्रबंधन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पंचरत्नी पोशाक में दर्शन देंगे लड्डू गोपाल

जन्मोत्सव की रात भगवान श्रीकृष्ण कलहंस पुष्प-बंगले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। इस दौरान लड्डू गोपाल का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के सचिव कपिल शर्मा के मुताबिक, भगवान को पंचरत्नी पोशाक धारण कराई जाएगी। यह पोशाक समुद्र मंथन से प्राप्त रत्नों की भावना पर आधारित है। भगवान के सिर पर रत्नों से सजा आकर्षक मुकुट भी सुशोभित होगा। भगवान की पोशाक और मुकुट को ब्रज के कुशल कारीगरों ने तैयार किया है। इन्हें बनाने में कारीगरों ने कई महीनों तक मेहनत की है।

पोशाक दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

जन्मोत्सव से पहले भगवान की विशेष पोशाकों के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दिव्य श्रृंगार के दर्शन कर भक्त भाव-विभोर नजर आए। इस दौरान मंदिर परिसर में लगातार जय श्रीकृष्ण के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए जन्मोत्सव के मुख्य कार्यक्रम को लेकर भी खासा उत्साह है। देश के अलग-अलग हिस्सों के साथ विदेशों से भी भक्तों के मथुरा पहुंचने की संभावना है।

11 बच्चों के सिर से उठा मां का साया : नौ घंटे तक कराते रहे झाड़-फूंक, सर्पदंश से चली गई महिला की जान

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। खेत पर घास काटने गई ग्राम पथरामई की 45 वर्षीय अनीता को सांप ने डस लिया। परिजन बृहस्पतिवार दोपहर 1 बजे से रात नौ बजे तक महिला को लेकर इधर-उधर झाड़फूंक कराने के चक्कर में पड़े रहे। इससे महिला की हालत बिगड़ती गई। नौ घंटे तक इलाज न मिलने पर जब महिला को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत से उसके 11 बच्चे अनाथ हो गए। परिजनों व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्राम पथरामई निवासी शेर सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को पत्नी अनीता खेत में मोहल्ले की अन्य महिलाओं के साथ घास काटने गई थी। वहीं दोपहर करीब 12 बजे उसे सांप ने डस लिया। आनन-फानन में पहले उसे घर लेकर आए। ग्रामीणों ने ग्राम खेड़ा जलालपुर में किसी सपेरे के बारे में बताया। इस पर परिजन महिला को लेकर वहां गए और देर शाम तक झाड़-फूंक से इलाज कराते रहे। इस बीच अनीता की हालत ज्यादा बिगड़ गई।

इसके बाद परिजन रात नौ बजे महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजन शव रात में ही अपने गांव ले आए। उसके बाद भी झाड़-फूक से इलाज कराया। सूचना मिलने पर शुक्रवार सुबह कटरा सादातगंज चौकी प्रभारी राघव गांव पहुंचे और परिजनों से शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा, लेकिन परिजन पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार नहीं हुए। दोपहर में शव की अंत्येष्टि कर दी गई। परिजनों के अनुसार अनीता के 11 बच्चे हैं। जिनमें 6 लड़के और 5 लड़कियां हैं। एक लड़का और एक लड़की की शादी हो चुकी है।

26 जिलों में बाढ़ का असर, 1312 शरणालय सक्रिय, इन गांवों में रेस्क्यू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

चित्रकूट। चित्रकूट में बाढ़ की चुनौती के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर 29 अगस्त को 135.20 मीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद अब घटकर 128.00 मीटर पर आ गया है। जलस्तर में गिरावट के बावजूद जिला प्रशासन ने निगरानी और राहत कार्यों में कोई ढिलाई नहीं की है।

अब तक 688 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। जिले में बाढ़ से अब तक किसी तरह की जन या पशुहानि की सूचना नहीं है। बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ के 30 सदस्य और एसडीआरएफ की दो टीमों के 27 सदस्य तैनात हैं। स्थानीय प्रशासन की टीमें भी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हैं।

36 गांवों के 13,906 लोगों तक पहुंची मदद

मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से कर्वी के रामघाट सहित 19 गांव, राजापुर के सात और मानिकपुर के 10 गांव प्रभावित हुए। कुल 36 प्रभावित गांवों के 13,906 लोगों तक प्रशासन की ओर से भोजन, राहत सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई गई हैं।

तत्काल भोजन उपलब्ध कराने के लिए कर्वी में 24,530, राजापुर में 4,043 और मानिकपुर में 230 लंच पैकेट बांटे गए हैं। इस तरह कुल 28,803 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

2,065 राहत किट बांटी गईं

प्रभावित परिवारों को जरूरी सामान उपलब्ध कराने के लिए कर्वी में 1,073, राजापुर में 796 और मानिकपुर में 196 राहत किट वितरित की गई हैं। कुल 2,065 राहत किट बांटी जा चुकी हैं। प्रभावित लोगों के लिए जिले में 18 बाढ़ शरणालय भी क्रियाशील हैं।

मकान क्षति पर 7.52 लाख रुपये की सहायता

बाढ़ में जिले में 653 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 188 मामलों में 7.52 लाख रुपये की सहायता राशि लाभार्थियों के खातों में भेजी जा चुकी है। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त एक मकान के लिए 1.20 लाख रुपये की सहायता दी गई है। अन्य मामलों में भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 28 मेडिकल टीमें एंबुलेंस और जरूरी दवाओं के साथ तैनात हैं। टीमें स्वास्थ्य परीक्षण और दवा वितरण कर रही हैं। वहीं फसल क्षति का आकलन करने के लिए सर्वे भी कराया जा रहा है।

टापू पर फंसे 12 चरवाहे और दो हजार से अधिक भेड़ें बचाईं

गाजीपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ने से डूहिया सरैया के पास नदी के टापू पर फंसे 12 चरवाहों और दो हजार से अधिक भेड़ों को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने सुरक्षित बचा लिया। करीब छह घंटे चले अभियान में नाइट विजन ड्रोन की मदद से फंसे लोगों और भेड़ों की लोकेशन चिन्हित की गई।

देर रात सूचना मिलने के बाद संयुक्त टीम ददरी घाट पहुंची। इसके बाद फ्लड कंपनी पीएसी, पुलिस, प्रशासनिक टीम और स्थानीय नाविकों ने मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया। अभियान में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

17,544 लोग सुरक्षित निकाले गए

उत्तर प्रदेश में गुरुवार को 26 जिलों में बाढ़ का असर रहा। बाढ़ से करीब 3.53 लाख आबादी प्रभावित है। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक अब तक 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 4,847 लोग बाढ़ शरणालयों में रह रहे हैं। प्रदेश में कुल 1,312 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं। राहत एवं बचाव तंत्र की सक्रियता के चलते अब तक किसी जन या पशुहानि की सूचना नहीं है।

1,697 नाव-मोटरबोट सक्रिय

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव के लिए 1,634 बाढ़ चौकियां, 1,697 नाव-मोटरबोट और 1,068 मेडिकल टीमें सक्रिय हैं। प्रभावितों तक भोजन, राहत सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक 72,897 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 3,67,551 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

पशुओं के लिए पांच हजार क्विंटल से अधिक भूसा उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5.52 लाख से अधिक क्लोरीन टैबलेट और 1.87 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट बांटे गए हैं। बाढ़ से 45 हजार से अधिक पशु प्रभावित हैं, लेकिन अब तक किसी पशु की मृत्यु की सूचना नहीं है।

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिले

अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी।

होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा अब 14 सितंबर से, भारी बारिश के चलते बदली परीक्षा की तारीख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में भारी बारिश को देखते हुए पुलिस भर्ती बोर्ड ने होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख में बदलाव किया है। अब परीक्षा 14 सितंबर से कराई जाएगी। पहले इसे आठ सितंबर से आयोजित किया जाना था।बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा, परीक्षा की निष्पक्षता और प्रक्रिया के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए परीक्षा की तारीख संशोधित की गई है।

सात सितंबर को मिलेंगे नए प्रवेश पत्र

संशोधित परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र सात सितंबर को बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। पूर्व में जारी किए गए प्रवेश पत्र स्वतः निरस्त माने जाएंगे। अभ्यर्थियों को बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in पर उपलब्ध लिंक से अपना संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होगा। इसके बाद प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केंद्र पर निर्धारित तिथि और समय पर पहुंचना सुनिश्चित करना होगा।

जीडीपी ग्रोथ पर मायावती का निशाना, बोलीं– 'धनवान सरकार की गरीब जनता' का बोझ न ढोए 140 करोड़ की आबादी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी जीडीपी विकास दर के सरकारी दावे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से परेशान आम जनता इस बात को लेकर असमंजस में है कि सरकारी दावों पर भरोसा करे या जमीनी हकीकत पर।

मायावती ने कहा कि यदि सरकार की ओर से पेश किए गए विकास दर के आंकड़े सही हैं तो यह अच्छी बात है, लेकिन अगर ये केवल आंकड़ों की बाजीगरी हैं तो चिंता का विषय है। सरकार को विश्वसनीय तरीके से बताना चाहिए कि इतनी ऊंची विकास दर का लाभ देश की करोड़ों गरीब और मेहनतकश जनता को कितना मिला है और आगे कितना मिलेगा। बसपा प्रमुख ने कहा कि विकास के आंकड़े और दावे अपनी जगह हैं, लेकिन उनकी असली कसौटी जमीनी हकीकत है। विकास वही सार्थक है, जिससे आम जनता के जीवन में समतामूलक बदलाव आए और लोग खुशहाल हों। उन्होंने कहा कि जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का लाभ देश की करोड़ों मेहनतकश जनता तक पहुंचना और उसका असर लोगों को महसूस होना जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो करीब 140 करोड़ आबादी 'धनवान सरकार की गरीब जनता' होने का बोझ ढोती रहेगी।

मायावती ने कहा कि देश का विकास तभी 'अच्छे दिन' वाला माना जाएगा, जब बहुजन और मेहनतकश जनता गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मुक्त होकर आत्मसम्मान के साथ अपेक्षाकृत सुखी जीवन जी सके।

आउटसोर्स कर्मचारियों पर भी यूपी सरकार को घेरा

मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार के आउटसोर्स कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने और करीब 20 लाख लोगों को सुरक्षा कवर देने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इससे बेहतर होता कि सरकार लोगों को सीधे सरकारी नौकरी देती। उन्होंने तर्क दिया कि इससे कर्मचारी अफसरशाही की मनमानी, भ्रष्टाचार और शोषण जैसी समस्याओं से मुक्त हो सकते थे।

कृष्ण जन्माष्टमी पर सीएम योगी का ब्रजवासियों से बड़ा वादा– आपकी भावनाओं के अनुरूप बदलेंगे पूरा ब्रज

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भावनाओं के अनुरूप पूरे ब्रज को बदलने में विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। चाहे मथुरा हो नंदगांव हो बरसाना हो गोवर्धन हो या वृंदावन सब आपकी भावनाओं के अनुसार विकसित होगा। मैंने बैठक लेकर भी यह बात सभी के सामने स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि है इसलिए होगा क्योंकि यह सरकार तो भगवान राम, कृष्ण कन्हैया, बाबा विश्वनाथ मां विंध्यवासिनी पर विश्वास करती है पर जो पहले की सरकार थी वे लोग बाबर औरंगजेब में अपनी आस्था रखते थे। उनमें आस्था रखने वाले लोग सनातन और आप में क्या आस्था रखेंगे। उनके अनुयाई और वह जहर खोलने का ही काम करेंगे ।योगी ने कहा कि कहा कि बहन बेटी अन्नदाता, उद्यमियों, किसानों को यह लोग लाचार बनाने का काम करने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन डंबल इंजन की सरकार इन्हें अपने मंसूबों में कभी सफल नहीं होने देगी। हम सब का सम्मान करते हैं खास तौर से सनातन का। बृजवासियों को सम्मान देने के लिए मैं स्वयं हर जन्माष्टमी पर मथुरा आता हूं। पिछली सरकार यहां आने से डरते थी कि कहीं उनका वोट बैंक ना हिल जाए। उन्हें तो अपने वोटो की फिक्र थी। यही कारण था कि उनके समय में जवाहर बाग कांड जैसी घटनाएं होती थी। अब ब्रज में ऐसे कांड नहीं रंगोत्सव होता है। ब्रजराज उत्सव होता है। यह एक नए विश्वास, प्रेरणा की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का एक ही संदेश है ।कर्तव्य पथ पर चलना। देश सनातन और मानव के लिए काम करते हुए देश को विकसित भारत बनाना।

सियासी रंजिश में हत्या की साजिश में चार चिन्हित, ड्राइवर के भाई पर 25 हजार का इनाम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महाराणा प्रताप चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने सियासी रंजिश के एंगल पर जांच तेज कर दी है।

पुलिस जांच में चार लोगों की भूमिका सामने आई है। सभी को जांच में शामिल कर उनके खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। गिरफ्तार चालक रवि तिवारी के सगे भाई जय किशन की भूमिका हत्या की साजिश में अहम बताई जा रही है। उसके खिलाफ पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुस्ताक के मुताबिक हत्या पूरी प्लानिंग के साथ की गई थी। वारदात से पहले तय था कि कौन किस तरह मदद करेगा, कौन कहां रहेगा और शूटरों को वारदात के बाद किस रास्ते से भागना है। जांच में सामने आया है कि जय किशन ने शूटरों के लिए गोली चलाने की जगह से लेकर फरार होने के रास्ते तक की योजना तैयार की थी।

पुलिस के अनुसार जय किशन की गतिविधियां पांच से छह स्थानों पर लगे सीसी कैमरों में कैद हुई हैं। फुटेज और अन्य साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ सर्विलांस की मदद ले रही है। जांच में तीन अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आई है।

पुलिस ने इन सभी के संबंध में साक्ष्य जुटाने के लिए सर्विलांस और अन्य टीमों को लगाया है। अधिकारियों के मुताबिक साक्ष्य मिलने के आधार पर अन्य आरोपितों पर भी इनाम घोषित किया जाएगा। हत्या के मामले में कुछ राजनीतिक चेहरों के नाम भी जांच में सामने आए हैं। पुलिस उनके संबंध में साक्ष्य जुटा रही है और पूरी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सामने आए तथ्यों और आरोपों का सत्यापन किया जा रहा है।

गौरतलब है कि बीते शनिवार को धीरेंद्र प्रताप सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। बाद में उनका शव करीब 20 किलोमीटर दूर नहर में मिला था। मामले में चालक रवि तिवारी समेत कई लोगों से पूछताछ और जांच जारी है।

एसटीएफ भी चार संदिग्धों से कर रही पूछताछ

हत्या के मामले में चार संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। उनसे मिले साक्ष्यों के आधार पर दबिश दी जा रही है। ताकि घटना से जुड़े सभी लोगों की गिरफ्तारी की जा सके। यही नहीं रवि ने आठ से नौ लोगों के नाम लिए थे। उन्हीं के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बारिश से नदियां उफनाईं, सात की मौत, बेघर हो गए लोग, घर-दुकानें डूबीं; रोजी रोटी का संकट

लखनऊ। प्रदेश के कई जिलों में हो रही बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। जनजीवन अस्त व्यस्त है। घर और दुकान बाड़ से घिरने के कारण लोग परेशान हैं। रोजगार बंद होने से रोजी रोटी का संकट है। घर और दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गई।

चित्रकूट में बृहस्पतिवार को मंदाकिनी की जलधारा घाटों के ऊपर पहुंची तो कभी रामघाट से कामतानाथ जाने वाले मार्ग पर पहुंची। इससे नदी किनारे बसे 250 से अधिक परिवार दहशत में आ गए। उधर, सदर कोतवाली के बराछ गांव में कच्ची दीवार और छत ढहने से कल्लू यादव (35) और उसके दो मासूम बच्चों की दबकर मौत हो गई। पत्नी और बेटी अस्पताल में भर्ती है। वहीं, सीतापुर में दो महिलाएं, बहराइच में एक बालिका और बाराबंकी भी एक व्यक्ति की जान चली गई।

स्वागत में होर्डिंग–पोस्टर, बैनर लगाने पर तावड़े ने लगाई रोक, बोले– सड़क पर नहीं, बूथ पर दिखाएं ताकत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में ताजपोशी के बाद पहली बार राजधानी आए पदाधिकारियों के स्वागत में जिस तरह से होर्डिंग-पोस्टर लगाए गए थे स्वागत में उमड़ी भीड़ की वजह से यातायात व्यवस्था चरमराई थी, उसपर केंद्रीय नेतृत्व की नजरे टेढ़ी हैं।

इसलिए ही 5-6 सितंबर को अपने पहले अधिकारिक दौरे पर यूपी आ रहे पार्टी के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने राजधानी आने पर होर्डिंग, पोस्टर बैनर न लगाने के निर्देश दिए हैं। स्वागत में होर्डिंग-पोस्टर और सड़क पर भीड़ जुटाने से कार्यकर्ताओं को दूर रहने का संदेश तावड़े ने देकर साफ कर दिया है कि इस बार शक्ति प्रदर्शन का पैमाना सड़कों की भीड़ नहीं, बल्कि बूथ पर संगठन की सक्रियता होगी।

सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को सड़क पर भीड़ न जुटाने और स्वागत में होर्डिंग-पोस्टर से परहेज की सख्त हिदायत दी है। माना जा रहा है कि तावड़े ने प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अपने स्वागत से परहेज करने की हिदायत से साफ है कि प्रभारी के दौरे को राजनीतिक चमक-दमक का मंच बनाने की बजाय इसे संगठन की तैयारियों की समीक्षा के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया जाए।

पिछले चुनावी दौर में विपक्ष ने सेंध लगाई

दरअसल तावड़े का यह रुख महज सादगी का संदेश नहीं, बल्कि 2027 की चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा के सामने विधानसभा चुनाव में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के साथ ही उन इलाकों में संगठन को फिर सक्रिय करने की चुनौती है, जहां पिछले चुनावी दौर में विपक्ष ने सेंध लगाई है।

दिवसीय यूपी के प्रवास पर आ रहे तावड़े प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में बूथ स्तर की सक्रियता, संगठनात्मक समन्वय और चुनावी तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। इससे साफ है कि तावड़े प्रदेश संगठन से हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की ताकत और कमजोरी का कागज से ज्यादा जमीनी हकीकत के आधार पर हिसाब-किताब लेंगे। तावड़े के निर्देशों में पोस्टर और स्वागत से दूरी का राजनीतिक संदेश भी महत्वपूर्ण है। तावड़े की बैठक में प्रदेश संगठन और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जिस क्षेत्र में संगठन कमजोर है, वहां जिम्मेदार पदाधिकारियों से जवाब मांगा जा सकता है और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के लिए नए लक्ष्य तय हो सकते हैं। इस लिहाज से पांच और छह सितंबर का लखनऊ प्रवास भाजपा के लिए पोस्टर और स्वागत का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मिशन-2027 की चुनावी प्रयोगशाला जैसा होगा। संदेश साफ है- सड़क पर ताकत दिखाने से ज्यादा जरूरी है कि चुनाव के दिन बूथ पर पार्टी की ताकत दिखाई दे।

बूथ पर पकड़ मजबूत करने की तैयारी

तावड़े के दौरे का सबसे अहम राजनीतिक पहलू मिशन-2027 को लेकर संगठन की जमीनी स्थिति की पड़ताल है। विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन भाजपा ने बूथ स्तर पर अपनी तैयारियां तेज करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि बैठकों में बूथ समितियों की सक्रियता, पन्ना स्तर तक कार्यकर्ताओं की भूमिका, संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल तथा कमजोर क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति पर चर्चा होगी।

यूपी में मेरिट से स्थानीय युवाओं को वरीयता, ग्रुप सी–डी में इंटरव्यू खत्म, इन महिलाओं को तरजीह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती और पारिश्रमिक व्यवस्था को लेकर सरकार ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत कई और अहम बदलाव किए गए हैं। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) के तहत होने वाली भर्तियों में अब चयन 100 अंकों की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। अगर कंपनियां किसी तरह की गड़बड़ी या लापरवाही करती हैं तो उन पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। ग्रुप सी और डी के पदों पर इंटरव्यू की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। स्थानीय युवाओं को मेरिट में 15 अंक का वेटेज मिलेगा। वहीं विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स एजेंसियों का चयन सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से किया जाएगा।

एजेंसी का चयन न्यूनतम तीन साल के लिए होगा। जरूरत समाप्त होने तक उसकी सेवाएं जारी रखी जा सकेंगी। निगम, संबंधित विभाग और चयनित एजेंसी के बीच त्रिपक्षीय समझौता होगा। काम में लापरवाही पाए जाने पर एजेंसी पर जुर्माना लगाने के साथ उसे ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकेगा।

लिखित परीक्षा के 50 अंक

भर्ती की 100 अंकों की मेरिट में लिखित परीक्षा के लिए अधिकतम 50 अंक निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित योग्यता से अधिक शैक्षिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को 25 अंक तक मिलेंगे। संबंधित जिले का स्थानीय निवासी होने पर 15 अंक दिए जाएंगे। विशेष महिला वर्ग में विधवा को पहली, तलाकशुदा को दूसरी और परित्यक्ता महिला को तीसरी प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ग के लिए कुल 10 अंक निर्धारित हैं।

ये होगी चयन प्रक्रिया

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक अभ्यर्थियों का चयन सेवायोजन पोर्टल से उपलब्ध कराए गए नामों में से किया जाएगा। एक पद के लिए वरिष्ठता क्रम में पांच अभ्यर्थियों को प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। दो या इससे अधिक पद होने पर प्रत्येक पद के लिए तीन गुना अभ्यर्थियों को लिया जाएगा, लेकिन अभ्यर्थियों की संख्या कम से कम 10 होगी।

आरक्षण नियम भी लागू

आउटसोर्स भर्ती में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, महिलाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों को नियमों के तहत आरक्षण दिया जाएगा। भर्ती और कर्मचारियों की सेवा व्यवस्था की निगरानी के लिए राज्य, मंडल और जिला स्तर पर समितियां बनाई गई हैं।

आबकारी विभाग की बड़ी कमाई, पांच महीने में जुटाए 24,795 करोड़ रुपये

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग राजस्व संग्रह के साथ अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई भी कर रहा है। 2026-27 वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक करीब 24,795.52 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह आंकड़ा 22,337.62 करोड़ रुपये था। इस बार पांच महीने में राजस्व में 2,457.90 करोड़ रुपये यानी करीब 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व का लक्ष्य 71,278 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसके मुकाबले पांच माह में ही करीब 34.8 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हो चुका है।

अगस्त में विभाग ने 3,933.10 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया, जबकि पिछले साल इसी महीने 3,754.43 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। यानी, अगस्त में 178.67 करोड़ रुपये अधिक राजस्व मिला और वृद्धि दर 104.76 प्रतिशत रही। इससे पहले अप्रैल में 5,248.06 करोड़, मई में 5,387.63 करोड़, जून में 5,173.87 करोड़ और जुलाई में 5,052.86 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था। जुलाई में पिछले साल की तुलना में 16.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

राजस्व वृद्धि के साथ अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ भी विभाग का अभियान जारी है। अप्रैल से जून 2026 तक 29,294 अभियोग दर्ज करते हुए 9.01 लाख लीटर अवैध मदिरा व मादक पदार्थ बरामद किए गए। इस दौरान 4,673 लोगों को गिरफ्तार, 819 आरोपियों को जेल भेजने के साथ तस्करी में इस्तेमाल 30 वाहन जब्त किए गए हैं।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग राजस्व संग्रह के साथ अवैध शराब के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। पारदर्शी व्यवस्था, तकनीकी निगरानी और प्रभावी प्रवर्तन के कारण राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है। सरकार का लक्ष्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि अवैध और जहरीली शराब के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाना भी है।

आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि विभाग की टीमें राजस्व संग्रह के साथ-साथ अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। अगस्त में भी संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी, छापेमारी और चेकिंग बढ़ाई गई है। अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पंजाब में अनाज घोटाले की गूंज

आम आदमी पार्टी के गठन का प्रमुख उद्देश्य भ्रष्टाचार से राजनीति को मुक्त करके उसमें शुचिता लाना था। लेकिन क्या आम आदमी पार्टी इस उद्देश्य में सफल रही। पंजाब सरकार पर काबिज आम आदमी पार्टी के रवैये से तो ऐसा नहीं दिख रहा। बल्कि वह पिछली कांग्रेसी सरकार के भ्रष्टाचार की धारा को ही आगे बढ़ाती दिख रही है। यह कहना है कि राज्य के अनाज आपूर्ति घोटाले के व्हिसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का। गुरप्रीत सिंह का आरोप है कि इन घोटालों से राज्य को हजारों करोड़ का चूना लगा है। इससे हुई कमाई की बंदरबाट राज्य के मंत्रियों और ताकतवर अफसरों के बीच हुई है।

बीते अप्रैल में राज्य के बीजेपी प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी पंजाब सरकार पर आरोप लगाया था कि अनाज रखने वाली बोरियों की खरीद में भारी घोटाला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य में 22 रूपए की दर से बोरी मिल रही थी, लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार ने उसे तकरीबन दोगुने यानी 43 रूपए 89 पैसे की दर से खरीदा। इस घोटाले की उन्होंने जांच की मांग की थी। हालांकि बीजेपी अभी चुप है, लेकिन आने वाले दिनों में उसकी चुप्पी टूट सकती है।

दिल्ली के शराब घोटाले की तर्ज पर उसकी पंजाब सरकार पर अनाज खरीद घोटाले के आरोप लग रहे हैं। वैसे आरोप पुरानी कांग्रेस सरकार पर लगे थे। राज्य में नई सरकार आने के बाद आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी थी कि इसे रोके और उचित कानूनी उपाय करे। लेकिन जिस तरह से इस मामले की अनदेखी राज्य की मौजूदा सरकार कर रही है, उससे लगता नहीं कि वह इस मामले में ईमानदार है। ह्विसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का कहना है कि इस सिलसिले में वे अधिकारियों और मंत्रियों से कई बार मिले, लेकिन बात कहीं से आगे बढ़ती नहीं दिख रही। राज्य में विधानसभा के चुनाव की उलटी गिनती शुरू होने में देर है। लेकिन जिस तरह अनाज घोटाले को लेकर पंजाब की सरकार को घेरने की कोशिश हो रही है, उसके संकेत साफ हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब की भगवंत मान सरकार के लिए इसका जवाब देना आसान नहीं होगा। फिलहाल इस मुद्दे को राज्य के विपक्षी दल तूल देते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन इसकी गारंटी नहीं है कि आने वाले दिनों में, जब राज्य के विधानसभा चुनाव सिर पर होंगे, विपक्षी दल इस मामले में चुप बैठेंगे।

पांच नदियों के प्रदेश पंजाब की ख्याति खेती-किसानी के लिए रही है। यहां की करीब तीन चौथाई आबादी सीधे या फिर परोक्ष रूप से खेती-किसानी से जुड़ी हुई है। जाहिर है कि यहां के लोगों के लिए खेती-किसानी ना सिर्फ जीवन रेखा है, बल्कि भावनात्मक मुद्दा भी है। इसलिए आने वाले दिनों में अगर अनाज घोटाले की तासीर बढ़ने लगे तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पंजाब के कृषि उपज घोटाले के तार पिछली कांग्रेस सरकार से जुड़ते हैं। कांग्रेस की सरकार रहते राज्य के खाद्य और आपूर्ति विभाग से जुड़ी निविदाओं में जमकर धांधली हुई थी। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद राज्य के विजिलेंस विभाग ने साल 2022 में लुधियाना में एफआईआर दर्ज की थी। इसकी जांच के दौरान कांग्रेसी सरकार के मंत्री रहे भारत भूषण आशु, ठेकेदार तेलू राम समेत खाद्य और आपूर्ति विभाग के कई अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। इसी मामले के एक आरोपी जूनियर अधिकारी राकेश सिंगला भगोड़ा घोषित हो चुका है और उसके लिए सीबीआई ने रेड कार्नर नोटिस जारी कर रखा है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार पर अनाज घोटाले का आरोप कैसे चस्पा हो रहा है। राज्य को भ्रष्टाचार और नशा मुक्त करने के नारे के साथ सत्ता में आई पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दरअसल इस भगोड़े अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही है। अव्वल तो होना चाहिए कि टेंडर घोटाले की जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होती, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। बल्कि इसकी कड़ी आगे जुड़ती जा रही है। लुधियाना में दर्ज मामले के व्हिसल ब्लोर गुरप्रीत सिंह हैं। उनका आरोप है कि नई सरकार के आने के बाद कहां तक घोटाला रूकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दरअसल पंजाब में कृषि उपज की खरीद भारत सरकार के खाद्य निगम के लिए पंजाब सरकार करती है। इसके लिए उसे प्रति क्विंटल कमीशन मिलता है। असल गड़बड़ी यहीं हैं। गुरप्रीत सिंह का कहना है कि दरअसल असल खरीद कुछ और हो रही है और कागजों पर कुछ और दिखाया जा रहा है। चूंकि हर साल केंद्र सरकार खरीद के लिए निश्चित रकम राज्य को देती है, लिहाजा उसका हर साल वह हिसाब-किताब भी मांगती है। लेकिन दिलचस्प यह है कि साल 2017 में कांग्रेस के सत्ता में आने से लेकर 2022 में आई मान सरकार ने इस बारे में केंद्र को ठीक से हिसाब नहीं दिया है। इसकी वजह से केंद्र सरकार द्वारा इन वर्षों में राज्य को मिले 31 हजार करोड़ रूपए को केंद्र सरकार ने राज्य को कर्ज घोषित कर दिया है।

जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे

संघ प्रमुखों और पदाधिकारियों का भी वजूद व धर्म-ईमान था। निश्चित ही 1980 में देवरस, राजेंद्र सिंह और सुदर्शन का बोलना तब मतलब रखता था।

हरिशंकर व्यास

मैंने जनसंघ, भाजपा को बढ़ते-बनते देखा है। लोकसभा की दो सीट (1984) व 7.7 प्रतिशत वोटों से 282 सीटें (2014) तथा 31.3 प्रतिशत वोट प्राप्ति का विकास भी देखा। 1984 से 2014 के इन तीस वर्षों में भाजपा-संघ की तब पूंजी थी चाल, चेहरा और चरित्र। और इसी के क्रम में 2014 में नरेंद्र मोदी ने एकछत्र सत्ता पाई। वह सब अब उस खोखे में कनवर्ट है, जिसका न कोई धर्म है, न ईमान और न चरित्र। इन बारह वर्षों में अमित शाह से मौजूदा नितिन नवीन की अध्यक्षता की भाजपा भारत की राजनीति का वह खोखा बन चुकी है, जो गुजराती-मारवाड़ी धनपशुओं की कॉर्पोरेट शेल (खोखा) कंपनियों की धंधेबाजी का मात्र एक मॉडल है।

खोखा मॉडल मतलब दिखावे के लिए, ऊपरी तौर पर एक वैध, कानूनी और जीवंत ढांचे की झांकी है, लेकिन असल में एक मालिक के स्वामित्व, निर्णय-शक्ति, उसकी निज संपत्ति व निज भूख का वह भभका होता है, अनैतिक धंधा होता है। जैसे अरबपतियों के कॉर्पोरेशन की खोखा कंपनियां कागज़ों पर निदेशक, वार्षिक बैठकें और शेयरधारकों की मौजूदगी दिखाती हैं, लेकिन किसी के पास रियल फैसलों का अधिकार नहीं होता, वैसे ही नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने पूरी भाजपा, उसकी हर स्तर की सत्ता, संगठनात्मक मोर्चों को खोखा कंपनियों में बदल दिया है। पूरे ताने-बाने में नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी चेहरे का अर्थ नहीं है।

तभी इस सप्ताह मैंने नितिन नवीन की अध्यक्षता के पदाधिकारियों की लिस्ट देखी तो तत्क्षण मुझे 1980 दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में भाजपा गठन के चेहरे याद हो आए। तब चेहरे अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी, उपाध्यक्ष आडवाणी, राम जेठमलानी, विजयराजे, के. एस. हेगड़े, सिकंदर बख्त थे। महामंत्री थे नानाजी देशमुख (शुरुआती बैठकों में मार्गदर्शक), यदुनाथ जोशी, लालजी टंडन, सुरजीत सिंह बरनाला। वही शांतिभूषण कोषाध्यक्ष। कार्यकारिणी में थे मुरली मनोहर जोशी, भैरोसिंह शेखावत, शांताकुमार, सुषमा स्वराज, प्रमोद महाजन, जे. जे. कृष्णमूर्ति, आरिफ बेग, जगन्नाथराव जोशी, सुंदरसिंह भंडारी।

वाजपेयी के बाद आडवाणी तीन बार, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे एक-एक बार अध्यक्ष बने। फिर वाजपेयी-आडवाणी की सरकार बनी, तब सत्ता ने अपनी सहूलियत से अध्यक्ष बनवाए थे। बावजूद इसके संघ से सलाह करके ही तब जनसंघ-संघ में खंपे के जनाकृष्ण, बंगारू लक्ष्मण, वेंकैया नायडु के चेहरे थे। फिर राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी अध्यक्ष बने। इनके उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एक से बढ़कर एक, हैसियत वाले चेहरे थे। तीस-चालीस साल जमीनी राजनीति में खपने वाले। न तब कोई मुखौटा संस्था व चेहरे थे और न सत्तावान नेताओं ने होल्डिंग कंपनी, याकि आरएसएस को कभी औकात दिखाई। सभी जमीनी याकि मास लीडर थे। शेखावत, शांताकुमार, प्रमोद महाजन, कल्याण सिंह, सुषमा स्वराज आदि सभी अपनी-अपनी पूंजी लिए हुए थे। मजाल जो मजदूर संघ (दत्तोपंत ठेंगड़ी), स्वदेशी जागरण मंच या किसान संघ प्रधानमंत्री वाजपेयी के आगे बोलती बंद रखें या सरकार की तुताड़ी बजाएं।

तब संघ प्रमुखों और पदाधिकारियों का भी वजूद व धर्म-ईमान था। निश्चित ही 1980 में देवरस, राजेंद्र सिंह और सुदर्शन का बोलना तब मतलब रखता था। इनके समय में मौजूदा मोहन भागवत की तरह नरेंद्र मोदी या अमित शाह के आगे संघ पदाधिकारियों का भीगी बिल्ली वाला व्यवहार नहीं था। तब राममंदिर आंदोलन मामले में संघ के एक मोरोपंत पिंगले सालों कर्ताधर्ता रहे। पर वे आज के संघ प्रचारक चंपत राय (मंदिर की चंदा चोरी), कृष्णगोपाल (विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों), इंद्रेश कुमार, सुरेश सोनी आदि जैसे नहीं थे। जाहिर है प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता की अपनी भूख के साथ संघ को भी पावर के नशे में झुमा दिया है। पूरे कुएं में भांग घुली हुई है। तभी चाल-चेहरे-चरित्र में पतन का वह पैंदा है, जिसके चलते दुनिया में भारत अब उभरता हुआ नहीं, बल्कि कॉकरोचों, गधेड़ों, दिमागी नक्सलियों जैसी बातों वाला देश है।

सोचें, भाजपा की नई टीम के चेहरों पर। नितिन नवीन की अध्यक्षता के मातहत अब राम माधव और वसुंधरा राजे बतौर उपाध्यक्ष हैं। यह इनका मान है या अपमान? बारह वर्षों से राम माधव दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों की भीड़ मोदी के लिए जुटवाई। मतलब जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे। उस हिसाब से मोदी को एक नौकरशाह जयशंकर की जगह राम माधव को विदेश मंत्री रखना था। लेकिन माधव क्योंकि राजनीतिक चेहरा हैं, वे बौने नहीं हैं तो नाकाबिल। दूसरी तरह देखें नितिन नवीन हाल में स्वयं की विधानसभा सीट पर भाजपा को नहीं जितवा पाए थे लेकिन वे वसुंधरा राजे के बॉस हैं।

यदि वसुंधरा राजे को संगठन के प्रमुख पद, राष्ट्रीय महामंत्री पद दिया जाता, तब भी उनके नाम से पद की धमक बनती। पर इस पद पर स्मृति ईरानी को बैठाया और हवाबाजी यह कि उनके और उन जैसे नए चेहरों से भाजपा युवाओं का दिल जीतेगी।

सो नितिन नवीन और भाजपा की नई टीम का एक ही मतलब है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह का एक वह खोखा, जो काम करता दिखेगा, लेकिन एक-एक बात पर मोदी-शाह के आदेशों से। ऐसी भाजपा वाजपेयी, आडवाणी से राजनाथ सिंह तक नहीं थी। तब कार्यकारिणी की बैठक हो या संसदीय बोर्ड की बैठक, सभी में पदाधिकारी अपनी-अपनी बात रखते थे, बहस करते थे। संघ से पूछते थे। सभी की निज हैसियत, आवाज थी। चेहरा, चाल, चरित्र था। तब न खोखा था और न उस पर नाचते-गाते अनाम, बौने लोग। इसलिए तब और अब का फर्क यह भी है कि प्रधानमंत्री वाजपेयी और गृहमंत्री आडवाणी जब सरकार चला रहे थे, तब उनका, उनकी सरकार का पक्ष-विपक्ष, देश-दुनिया में मान था, आदर था। उन्हें किसी ने गाली नहीं दी। न पुरानी पीढ़ी ने दी, न युवा लड़के-लड़कियों ने दी। न वे सोशल मीडिया या मीडिया में मजाक बने। जैसा कि इस समय, मोदी-शाह के राज में हर दिन का ट्रेंड होता है।

व्यंग्य

कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है।

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नज़र नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है।

इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति श्रृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन श्रृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट-पुर्जों पर निर्भर हैं।

चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को 'दुनिया के कारखानेÓ के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

ब्लॉग

सकल घरेलू उत्पाद में भारत का प्रभावशाली प्रदर्शन

2026-27 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था की शुरुआत मजबूती के साथ हुई जिसमें विनिर्माण और सेवाओं के अच्छे प्रदर्शन के साथ पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत तक वृद्धि हुई जबकि वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि में 8.2 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। निवेश 11.9प्रतिशत तक बढ़ गया; घरेलू खपत 7.1 प्रतिशत बढ़ गई और निर्यात 12.0 प्रतिशत बढ़ गया। यह गति जुलाई में भी जारी रही। औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अप्रैल-जुलाई के दौरान संचयी व्यापारिक और सेवाओं के निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष 13.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जुलाई में उद्योग और सेवाओं के लिए ऋण क्रमशः 20.0 प्रतिशत और 22.9 प्रतिशत बढ़ा।

भारत ने लगातार भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता के बीच 2026-27 में प्रवेश किया। इन बाहरी दबावों के बावजूद 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह परिणाम 2023-24 से 2026-27 तक चार वर्षों की अवधि के दौरान पहली तिमाही में दर्ज वास्तविक जीडीपी की उच्चतम वृद्धि को रेखांकित करता है। घरेलू मांग में तेजी तथा विनिर्माण और सेवाओं में लाभ से इसे समर्थन मिला है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। जुलाई 2026 में इसने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक और वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बताया। भारत की ऋण संबंधी साख के मूल्यांकन में भी इसकी झलक मिलती है कि विश्व को भारत की अर्थव्यवस्था पर पूरा भरोसा है। अगस्त 2026 में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने स्थिर दृष्टिकोण के साथ भारत की 'बीबीबी/ए-2' सॉवरेन रेटिंग की पुष्टि की। इससे पहले, 18 वर्षों के अंतराल के बाद 2025 में इसकी दीर्घकालिक रेटिंग को 'बीबीबी' में अपग्रेड किया गया था।

2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में आर्थिक विकास मजबूत हुआ। यह परिणाम इस तिमाही के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 7.0 प्रतिशत के अनुमान को पार कर गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 6.9 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। नॉमिनल जीडीपी या वर्तमान कीमतों पर जीडीपी 88.27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक लेखांकन अवधि में घरेलू अर्थव्यवस्था में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है।

वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) 73.82 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 7.0 प्रतिशत की तुलना में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

नॉमिनल जीवीए 80.53 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) अर्थव्यवस्था में उत्पादकों, उद्योगों या क्षेत्रों के व्यक्तिगत योगदान को मापता है। विगत तीन वित्त वर्षों के लिए वास्तविक जीडीपी को बढ़ाकर संशोधित किया गया है। संशोधनों से पता चलता है कि पहली तिमाही का प्रदर्शन पूर्ववर्ती अनुमान की तुलना में मजबूत विकास पथ का अनुसरण करता है।

वार्षिक संशोधित अनुमान आधार वर्ष 2022-23 के साथ नए मूल्य और उत्पादन सूचकांकों के उपयोग को दर्शाते हैं। इसमें आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) और बैंकिंग सर्विसेज प्राइस इंडेक्स (बीकेएसपीआई) शामिल हैं। इसमें विभिन्न स्रोतों से अद्यतन प्रशासनिक आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संशोधनों के बारे में अधिक पढ़ने के लिए, कृपया देखें: महत्वपूर्ण चीज़ों की गिनती: भारत के राष्ट्रीय खातों और मुख्य आर्थिक आँकड़ों को मज़बूत करनाविकास के कारकों की संरचना पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को निवेश में तीव्र वृद्धि, घरेलू खपत में मजबूती और निर्यात में बढ़ोतरी का समर्थन मिला।

व्यय में मजबूती उत्पादन पक्ष पर भी परिलक्षित हुई जिसमें तृतीयक और द्वितीयक क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है।

वास्तविक जीवीए के संदर्भ में तृतीयक क्षेत्र में 2026-27 की पहली तिमाही में 10.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 2025-26 की पहली तिमाही में हुई 8.0 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। इस क्षेत्र में वित्तीय, रियल एस्टेट, आईटी और पेशेवर सेवाओं में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

द्वितीयक क्षेत्र में 2026-27 की पहली तिमाही में 8.6 प्रतिशत का विस्तार हुआ जबकि विगत वर्ष की इसी तिमाही में यह 6.1 प्रतिशत था।

प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत उत्पादन के समर्थन से विनिर्माण में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कई विनिर्माण श्रेणियों ने भी इस तिमाही के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया: आईआईपी के अंतर्गत 2026-27 की पहली तिमाही में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन भी 15.2 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले यह 8.8 प्रतिशत था। बुनियादी ढांचे/निर्माण संबंधी सामग्रियों में भी 7.2 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर्ज की गई जो विगत वर्ष के 6.1 प्रतिशत से अधिक है।

मजबूत और स्थिर औद्योगिक गतिविधि

जुलाई 2026 में औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि विगत वर्ष यह 5.4 प्रतिशत थी। अप्रैल-जुलाई 2026-27 में इसमें विगत वर्ष की समान अवधि के 4.0 प्रतिशत की तुलना में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई।

जुलाई 2025 की तुलना में जुलाई 2026 में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.1 प्रतिशत बढ़ गया। कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं में 10.0 प्रतिशत और बुनियादी ढांचे और निर्माण सामग्रियों में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) ने जुलाई 2025 की तुलना में जुलाई 2026 में 5.4 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की। अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान, आईसीआई में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो विगत वर्ष की इसी अवधि में 1.5 प्रतिशत थी। भारत से वस्तुओं और सेवाओं का कुल मिलाकर किया जानेवाला निर्यात जुलाई 2026 में अनुमानित 80.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जो जुलाई 2025 की तुलना में 13.31 प्रतिशत अधिक है।

अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान संचयी निर्यात का अनुमान 316.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यह अप्रैल-जुलाई 2025-26 के दौरान दर्ज 279.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 13.16 प्रतिशत अधिक है।

जुलाई 2026 में प्रमुख क्षेत्रों में बैंक ऋण वृद्धि मजबूत हुई। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण में जुलाई 2025 के 7.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 17.0 प्रतिशत वृद्धि हुई।

उद्योग को ऋण में 20.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो जुलाई 2025 के 6.5 प्रतिशत से अधिक है।

सेवा क्षेत्र को ऋण जुलाई 2025 के 10.2 प्रतिशत की तुलना में 22.9 प्रतिशत बढ़ गया।

विनिर्माण, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश तथा कृषि के क्षेत्रों तक 2026 के दौरान शुरू किए गए नीतिगत उपायों ने इन आर्थिक रुझानों को और मजबूत किया है।

मोबाइल फोन निर्माण योजना (जुलाई 2026) का परिव्यय 2030-31 तक 62,500 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य उत्पादन का और विस्तार करना, बेहतर मूल्यवर्धन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करना है।

जुलाई 2026 में स्वीकृत सेमीकॉन 2.0 का बजट परिव्यय 1,27,500 करोड़ रुपये है। यह चिप डिजाइन और विनिर्माण, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान, सामग्री, उपकरण और प्रतिभा विकास का समर्थन करता है।

जुलाई 2026 में स्वीकृत, भव्य रसायन योजना का परिव्यय वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 5 वर्षों की अवधि के लिए 3,030 करोड़ रुपये है। यह देश भर में तीन समर्पित रासायनिक पार्कों की स्थापना में सहायता करेगा।

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना 5.0 (ईसीएलजीएस 5.0) से पश्चिम एशिया की स्थिति को देखते हुए 2.55 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण प्रवाह का लक्ष्य रखा गया है। यह लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के लिए 100 प्रतिशत और गैर-एमएसएमई के लिए 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान करता है।

अगस्त 2026 में संसद में पारित एमएसएमई विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 अनुपालन को सरल बनाता है तथा एमएसएमई के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन करता है। राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना, समुद्र मंथन का वित्त वर्ष 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये का परिव्यय है। यह योजना भारत की अपतटीय ऊर्जा क्षमता को सामने लाने के लिए अन्वेषण में सहयोग करेगी। सतही कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना को मई 2026 में 37,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृति दी गई थी। इससे 2030 तक 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण के लक्ष्य को सहयोग मिलेगा और आयात निर्भरता को कम करने का लक्ष्य है।

राष्ट्रीय सर्कुलर जैव ऊर्जा योजना गोबरधन को अगस्त 2026 में 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी। इसका उद्देश्य कृषि, पशु और नगरपालिका के जैविक कचरे से संपीड़ति बायोगैस उत्पादन को बढ़ाना है।

जुलाई 2026 में स्वीकृत प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) का परिव्यय 5,070 करोड़ रुपये है। यह वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं के के ही साथ 5,000 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं का समर्थन करती है जिनके साथ ऊर्जा भंडारण की सुविधा होगी।

भारत-यूके सीईटीए और सामाजिक सुरक्षा पर समझौता 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ। यह यूके को बिना किसी शुल्क के भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात के लिए पहुंच प्रदान करता है।

भारत-इज़राइल द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) 4 जुलाई 2026 को लागू हुआ। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना और निवेश के लिए अधिक सुरक्षित और पूर्वानुमानित ढांचा प्रदान करना है।

सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) की भागीदारी का विस्तार करने के लिए जून 2026 में सुधारों की घोषणा की गई। इससे जुड़े प्रमुख कदमों में कर छूट, पूरी तरह से सुलभ मार्ग के तहत व्यापक कवरेज और सुव्यवस्थित निवेश मानदंड शामिल हैं। सुधारों का उद्देश्य दीर्घकालिक विदेशी पूंजी को आकर्षित करना और भारत के ऋण बाजार का दायरा और उसमें निवेशकों की भागीदारी को बढ़ाना है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल में सजा भव्य कृष्ण दरबार, मनमोहक झाँकी ने मोहा मन

फाफामऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल, शांतिपुरम में भव्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर कृष्ण भक्ति से सराबोर नजर आया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक राधा-कृष्ण झाँकी, भजन, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी राधा-कृष्ण, ग्वाल-बाल एवं अन्य पात्रों के मनमोहक रूप में सजे नजर आए। कृष्ण जन्म से संबंधित सुंदर झाँकी के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में भक्ति, उमंग और उत्साह का अद्भुत वातावरण बना दिया। विद्यालय अध्यक्ष डॉ कृपा शंकर सिंह ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर घटा

135.20 मीटर से गिरकर 128 मीटर पर पहुंचा पानी, प्रशासन की निगरानी जारी

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। चित्रकूट में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्यों को लेकर पूरी तरह सतर्क है।

मंदाकिनी नदी का जलस्तर 29 अगस्त को 135.20 मीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद अब घटकर 128.00 मीटर पर आ गया है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक जलस्तर में गिरावट के बावजूद प्रशासन ने निगरानी और राहत कार्यों में कोई ढिलाई नहीं की है। अब तक 688 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा चुका है। वहीं जिले में बाढ़ से कोई भी जनहानि या पशुहानि नहीं हुई है।

बाढ़ की स्थिति के दौरान प्रशासन ने अब तक करीब 688

लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत एवं सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ की टीम के 30 सदस्य और एसडीआरएफ की दो टीमों के 27 सदस्य तैनात किए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन की टीमें भी लगातार सक्रिय हैं।

36 गांवों के 13,906 लोगों तक पहुंची मदद

मंदाकिनी नदी में बढ़े जलस्तर से कर्वी के रामघाट सहित 19 गांव, राजापुर के 7 गांव और मानिकपुर के 10 गांव, यानी कुल 36 गांव प्रभावित हुए। इन क्षेत्रों में 13,906 लोगों तक मदद पहुंचाई गई। प्रशासन प्रभावित आबादी तक भोजन, राहत सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के काम में जुटा हुआ है।

28,803 लंच पैकेट बांटे गए

बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल भोजन उपलब्ध कराने के लिए बड़े स्तर पर व्यवस्था की गई है। तहसील कर्वी में 24,530, राजापुर में 4,043 और मानिकपुर में 230 यानी कुल 28,803 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। इससे प्रभावित परिवारों को संकट के समय भोजन की तत्काल सुविधा मिली है।

2,065 राहत किट का वितरण

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों तक जरूरी सामग्री पहुंचाने के लिए राहत किट का वितरण किया जा रहा है। अब तक कर्वी में 1,073, राजापुर में 796 और मानिकपुर में 196 यानी कुल 2,065 राहत किट वितरित की जा चुकी हैं। साथ ही अन्य प्रभावितों तक भी तेजी से राहत किट पहुंचाई जा रही है। वहीं प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय देने के लिए जिले में 18 बाढ़ शरणालय क्रियाशील हैं।

मकान क्षति पर तत्काल आर्थिक सहायता

जिले में बाढ़ से 653 मकानों के आंशिक क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 188 मामलों में 7.52 लाख रुपये की सहायता राशि लाभार्थियों के खातों में भेजी जा चुकी है। वहीं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त एक मामले में 1.20 लाख रुपये की सहायता दी गई है। शेष मामलों में भी भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

स्वास्थ्य और फसल क्षति पर भी नजर

बाढ़ प्रभावित और संभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत रखने के लिए 28 मेडिकल टीमें एंबुलेंस और आवश्यक दवाओं के साथ स्वास्थ्य परीक्षण व दवा वितरण कर रही हैं। वहीं किसानों को राहत देने के लिए फसल क्षति का सर्वेक्षण भी कराया जा रहा है।

12 चरवाहों और 2 हजार से अधिक भेड़ों को बचाया

गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से डूहिया सरैया के पास नदी के टापू पर फंसे 12 चरवाहों और 2 हजार से अधिक भेड़ों को पुलिस और प्रशासन ने बचाया। करीब छह घंटे चले जोखिमपूर्ण अभियान के बाद यह सफलता मिली।

देर रात में सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम ददरी घाट पहुंची। नाइट विजन ड्रोन से फंसे लोगों और भेड़ों की लोकेशन चिन्हित की गई। इसके बाद फ्लड कंपनी पीएसी, पुलिस, प्रशासनिक टीम और स्थानीय नाविकों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। अभियान में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय ग्रामीणों और चरवाहों ने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस-प्रशासन की सराहना की।

लिव-इन पार्टनर की हैवानियत : 'पहले बीवी की तरह किया प्यार, फिर शराब पिलाकर पीटा ; अब निजी वीडियो कर दिए वायरल'

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को सहमति संबंध पार्टनर द्वारा वर्षों तक प्रताड़ित करने और उसके निजी वीडियो-फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीड़िता ने मुख्यमंत्री कार्यालय को दी शिकायत में बताया कि वह 26 जून 2022 से आरोपी आकाश के साथ सहमति संबंध में पति-पत्नी की तरह रह रही थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा, लेकिन कुछ समय बाद आकाश शराब पीकर उसके साथ मारपीट करने लगा और नौकरी कर पैसे लाने का दबाव बनाने लगा। एक दिन आकाश ने उसे कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर जबरन पिलाई और मौका पाकर उसके निजी फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद वह इन्हीं वीडियो-फोटो के जरिए पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा और पैसे न देने पर उन्हें इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देने लगा।

पीड़िता ने बताया कि उसने कई बार आरोपी से पीछा छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन हर बार उसकी बुरी तरह पिटाई की गई, जिसमें उसे गंभीर चोटें भी आईं। समाज में बदनामी के डर से वह लंबे समय तक चुप रही। आरोपी ने अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर भी उसकी निजी तस्वीरें डाल दीं।

1 जुलाई 2026 को आकाश ने दोबारा व्हाट्सऐप स्टेटस और पीड़िता की इंस्टाग्राम आईडी पर उसके निजी वीडियो-फोटो सार्वजनिक कर दिए। इससे पीड़िता की छवि को गहरा नुकसान पहुंचा और वह लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों से भयभीत हो गई। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

गंगा किनारे खतरे में कानपुर के 40 परिवार, मिट्टी धंसी तो अपार्टमेंट में आईं दरारें... जाजमऊ की पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। नेपाल में नदी किनारे हुए हादसों की तस्वीरों के बीच कानपुर के जाजमऊ से भी चिंता बढ़ाने वाली तस्वीर सामने आई है। लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा की ओर मिट्टी खिसकने से मक्कू सईद भट्ठा क्षेत्र स्थित शकीना अपार्टमेंट की पिछली बाउंड्री ढह गई। इसके साथ ही भवन के कुछ हिस्सों में दरारें आने की बात सामने आई है। अपार्टमेंट में रहने वाले 40 से ज्यादा परिवार अब किसी अनहोनी की आशंका से परेशान हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, शकीना अपार्टमेंट गंगा से बेहद करीब बना है। बारिश के कारण पिछले कुछ दिनों से किनारे की मिट्टी लगातार कट रही थी। गुरुवार सुबह अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा दरक गया और अपार्टमेंट की गंगा की तरफ बनी पूरी बाउंड्री गिर गई। इसके बाद लोगों ने भवन में भी दरारें देखीं। मक्कू सईद भट्ठा इलाके में बना यह अपार्टमेंट करीब तीन मंजिला है। यहां 45 से

अधिक फ्लैट बताए जा रहे हैं और वर्तमान में 40 से ज्यादा परिवार रह रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह इमारत वर्ष 2011 के आसपास बनाई गई थी। उनका आरोप है कि निर्माण के दौरान गंगा किनारे भवन बनाने से जुड़े मानकों की अनदेखी की गई।

सबसे बड़ी चिंता अब गंगा की कटान को लेकर है। लोगों को डर है कि यदि इसी तरह मिट्टी कटती रही तो बाउंड्री के बाद भवन का आधार भी प्रभावित हो सकता है। हालांकि, खतरे की आशंका के बावजूद ज्यादातर लोग खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें डर है कि प्रशासन को जानकारी मिली तो इमारत खाली करा दी जाएगी। ऐसे में बारिश के मौसम में वे परिवार और सामान लेकर कहां जाएंगे, यह उनके लिए बड़ा सवाल है। इसी वजह से कई लोग जोखिम के बावजूद फ्लैट खाली करने को तैयार नहीं हैं।

'बिल्डर ने पूरी जानकारी दिए बिना लोगों को फ्लैट बेच दिए'

स्थानीय लोगों ने ये भी दावा किया कि फ्लैट खरीदने के बाद उन्हें पता चला था कि गंगा किनारे निर्माण को लेकर नियमों का सवाल उठता रहा है। उनका आरोप है कि बिल्डर ने पूरी जानकारी दिए बिना लोगों को फ्लैट बेच दिए। नियमों के मुताबिक, गंगा से 200 मीटर तक कोई निर्माण नहीं कराया जा सकता। फिलहाल, सबसे जरूरी सवाल सुरक्षा का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते गंगा की तरफ हो रहे कटाव को रोकने और भवन की स्थिति की तकनीकी जांच कराने की जरूरत है। अगर मिट्टी का कटाव आगे भी जारी रहा तो बाउंड्री गिरने के बाद अपार्टमेंट के दूसरे हिस्से पर भी खतरा बढ़ सकता है। इस बीच, यहां रहने वाले परिवार हर बारिश के साथ किसी अनहोनी की आशंका में रात काट रहे हैं।

'दे घुमा के' से मिली पहचान, अब आजमगढ़ की मिट्टी से निकली लेखनी ने मुंबई में जीता फिल्मफेयर

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के सगड़ी तहसील क्षेत्र के भरौली गांव की मिट्टी से निकले मनोज यादव ने अपनी लेखनी के दम पर मायानगरी मुंबई में अलग पहचान बनाई है। गीतकार और लेखक मनोज यादव को छह अगस्त को मुंबई के सहारा स्टार होटल में आयोजित फिल्मफेयर अवॉर्ड्स मराठी-2026 समारोह में 'आता थंबायचा नाय!' के टाइटल ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ गीत (बेस्ट लिरिक्स) का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। फिल्मफेयर की आधिकारिक सूची में भी मनोज यादव को इस श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है।

मनोज यादव की सफलता का सफर संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता 1960 के दशक में आजमगढ़ से मुंबई गए और एक मिल में काम किया। मनोज का बचपन मुंबई और गांव के बीच बीता। पढ़ाई मुंबई में होती तो गर्मी की छुट्टियां गांव में बिताते थे। इसी माहौल ने उनकी भाषा और लेखन को जमीन से जोड़े रखा।

मनोज यादव ने बताया कि वर्ष 2005 में उन्होंने मुंबई में फिल्म और विज्ञापन जगत में कदम रखा। शुरुआत विज्ञापन जिंगल लिखने से हुई। धीरे-धीरे फिल्मों में गीत लिखने का मौका मिला और उनकी पहचान मजबूत होती गई। वर्ष 2011 के क्रिकेट विश्वकप का आधिकारिक गीत 'दे घुमा के' उनकी चर्चित रचनाओं में शामिल है।

इस गीत पर भारत के दिग्गज ि

क्रिकेटर गौतम गंभीर और युवराज सिंह ने उन्हें ट्विट कर बधाई दी और कहा कि उनका लिखा यह गाना जब स्टेडियम में बजता था तो उनका उत्साह बढ़ता था। इसके बाद उन्होंने सन ऑफ सरदार, पीकू, गब्बर इज बैक, निल बटे सन्नाटा, अंगुली, अज़हर, बदला और तरला समेत कई फिल्मों के लिए गीत लिखे।

'मैंने बेटी को मार दिया...' आगरा में 17 साल की लड़की की हत्या कर थाने पहुंचा पिता

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। झूठी शान और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर बेटियों की हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आगरा के एकता थाना क्षेत्र स्थित पचगईं खेड़ा गांव में एक पिता ने अपनी 17 साल की बेटी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को अपनी बेटी की हत्या करने का कोई पछतावा नहीं है। पचगईं खेड़ा निवासी चंद्रवीर की 17 वर्षीय बेटी की गांव के ही एक युवक से मित्रता थी। मंगलवार शाम किशोरी बिना बताए घर से चली गई थी और रात करीब एक बजे वापस लौटी। पुलिस के मुताबिक, बेटी के व्यवहार को लेकर पिता नाराज था। इसी बात को लेकर घर में विवाद की स्थिति बनी हुई थी।

गुरुवार दोपहर चंद्रवीर का बेटा लवकुश नौकरी के सिलसिले में गुरुग्राम चला गया। वहीं, उसकी पत्नी रजनी भी किसी काम से घर से बाहर गई हुई थी। इसी दौरान घर में अकेली बेटी पर पिता ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि उसने पहले किशोरी के सिर पर प्रहार किया और फिर उसका गला काट दिया। हमले में किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद सीधे थाने पहुंचा आरोपी

वारदात को अंजाम देने के बाद चंद्रवीर सीधे एकता थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कहा कि उसकी बेटी मित्रता के चक्कर में कुछ भी समझने को तैयार नहीं थी, इसलिए उसने उसे मार दिया। उसने यह भी कहा कि उसे अपने किए का कोई पछतावा नहीं है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहां किशोरी का खून से लथपथ शव पलंग पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आगरा में हाल के दिनों में ऑनर किलिंग की यह तीसरी वारदात है। इससे पहले बाह क्षेत्र में एक पिता ने अपनी बेटी की हत्या कर दी थी। उस मामले में पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। वहीं, एक अन्य घटना में एक पिता अपनी बेटी को दिल्ली से लेकर आया था। आरोप है कि उसने चंबल नदी में उसका गला घोंटने के बाद शव को पानी में डुबो दिया था।

केपी सिंह हाई स्कूल कसेरुआ में कृष्ण जन्मोत्सव पर हुआ सांस्कृतिक आयोजन

देल्हूपुर प्रतापगढ़। भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर केपी सिंह हाई स्कूल कसेरुआ चौवनगढ़ में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रा माही सिंह भगवान श्री कृष्ण और आकृति सिंह ने राधा रानी का रूप धारण करके लोगों को आशीर्वाद दिया और राधा कृष्ण के गीत पर मर्यादित नृत्य भी किया। विद्यालय प्रबंधक लव सिंह गहलौत एडवोकेट ने कार्यक्रम का सुभारम्भ भगवान कृष्ण और राधा रानी जी की पूजा अर्चना एवम भव्य आरती करके किया और भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अधर्म का नाश करके धर्म की स्थापना किया और राधा रानी ने जीवन में लोगों को प्रेम भाव से जीने को बताया जिसका अनुसरण हम सभी को अपने जीवन में करना चाहिए। इस अवसर पर अध्यापक राम आसरे मिश्र, एपी सिंह, पवन कुमार सरोज, सुमन सिंह, नेहा सिंह, स्वेता सिंह, अमन सिंह एवं क्षेत्र के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

छत पर खेलने के लिए मां और बहन को बुलाया... नहीं आईं तो 11 साल के लड़के ने लगा ली फांसी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के थाना मझोला अंतर्गत रामतलैया चौकी इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक 11 वर्षीय मासूम, जो चौथी कक्षा का छात्र था, उसने जिद्द और नाराजगी के बीच छत पर जाकर कपड़े सुखाने वाली रस्सी से फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मूल रूप से उत्तराखंड के चंपावत जिले के रहने वाले इस परिवार के मुखिया एक कपड़ा दुकान में काम करते हैं और पिछले 20 सालों से मुरादाबाद में किराए के मकान में रह रहे हैं।

परिजनों के अनुसार, रात करीब 9 बजे बच्चा छत पर खेलने गया था। उस दौरान उसकी बहन भी साथ में थी, लेकिन थोड़ी देर बाद वह अपना स्कूल का होमवर्क पूरा करने नीचे कमरे में आ गई। बच्चे ने अपनी बहन

से दोबारा छत पर आने को कहा, लेकिन पढ़ाई के कारण उसने मना कर दिया। इसके बाद बच्चे ने नीचे आकर अपनी मां को पुकारा। मां ने भी घरेलू काम में व्यस्त होने का हवाला देते हुए कुछ देर बाद आने की बात कही। इस छोटी सी बात से आहत होकर मासूम अकेले छत पर चला गया और कपड़े सुखाने के लिए बांधी गई रस्सी का फंदा गले में डाल लिया।

रात करीब 11 बजे जब मां खाना खाने या सोने के लिए बेटे को बुलाने छत पर पहुंचीं, तो सामने बेटे को फंदे पर लटकता देख उनकी चीख निकल गई। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने तुरंत चाकू से रस्सी काटकर बच्चे को नीचे उतारा, लेकिन तब तक मासूम का शरीर ठंडा पड़ चुका था। परिजन आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कम ऊंचाई को लेकर संशय, फॉरेंसिक टीम और पुलिस जांच में जुटी

घटना की जानकारी मिलते ही मझोला थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का जायजा लेने वाले लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस बात पर संशय भी व्यक्त किया कि छत की दीवार और रस्सी की ऊंचाई काफी कम थी, ऐसे में इतनी कम ऊंचाई पर बच्चा फांसी कैसे लगा सकता है।

मझोला पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से फिलहाल कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है ताकि मौत की सही वजह का पता चल सके।

अब मजदूरों को भी मिलेगा अपना आशियाना... ग्रेटर नोएडा में बनेंगे 5000 फ्लैट्स

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। औद्योगिक शहर ग्रेटर नोएडा में रोजगार की तलाश में आने वाले अप्रवासी श्रमिकों और गरीब परिवारों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में शासन के निर्देश पर श्रमिकों, आवंटियों और सुरक्षा बलों से जुड़े कई बड़े एवं जनहितैषी प्रस्तावों पर मुहर लगा दी गई है। प्राधिकरण अब आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए 4,000 से 5,000 बहुमंजिला किफायती फ्लैट्स और नए आने वाले मजदूरों के लिए अस्थायी आश्रयस्थल का निर्माण कराने जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पतवाड़ी (44,750 वर्गमीटर) और ईस्ट इलाके के बिरौंडी गांव (18,000 वर्गमीटर) के पास EWS फ्लैट्स के लिए जमीन चिह्नित कर ली गई है।

यहां पर 30 से 40 वर्गमीटर के किफायती फ्लैट्स बनाए जाएंगे। इन बहुमंजिला सोसायटियों में लिफ्ट, दूध और सब्जी के बूथ तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें भी होंगी। अप्रैल महीने में जिले में हुए व्यापक श्रमिक आंदोलन और शासन के दिशा-निर्देशों के बाद प्राधिकरण ने बिल्डर फ्लैटों की ऊंची कीमतों से दूर रहने वाले गरीब परिवारों के लिए इस योजना का खाका तैयार किया है।

बाहर से ग्रेटर नोएडा आने वाले श्रमिकों की तत्काल आवास की समस्या को दूर करने के लिए 'उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड' की योजना के तहत अस्थायी आश्रयस्थल बनाए जाएंगे। इसके लिए प्राधिकरण ने सेक्टर इकोटेक-6 और इकोटेक-11 में 3,000-3,000 वर्गमीटर के भूखंड चिह्नित किए हैं, जिन्हें श्रम विभाग को निशुल्क ट्रांसफर किया जाएगा। श्रम विभाग यहां ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कराएगा, जिससे गरीब श्रमिकों को महंगे होटलों में रुकने से राहत मिलेगी।

आवासीय भूखंडों के लिए 30 जून 2028 तक मिला अतिरिक्त समय

प्राधिकरण बोर्ड ने आवासीय भूखंड के आवंटियों को बड़ी राहत देते हुए मकान निर्माण पूरा कर कार्यपूर्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने का अंतिम अवसर दिया है। आवंटियों को वर्तमान में प्रचलित विलंब शुल्क के साथ 30 जून 2028 तक की समय सीमा बढ़ा दी गई है। प्राधिकरण के अनुसार, इस विस्तारित अवधि तक भी यदि कोई आवंटी कार्यपूर्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं कर पाता है, तो उसका भूखंड निरस्त कर दिया जाएगा।

NDRF को रीजनल रेसपोंस सेंटर के लिए 30 फ्लैट निशुल्क

आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों से तत्काल निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने NDRF की 8वीं वाहिनी (गाजियाबाद) के रीजनल रेसपोंस सेंटर को आवासीय सुविधा देने का फैसला किया है। बोर्ड ने सेक्टर ओमीक्रॉन-1ए में 30 फ्लैट्स निशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। NDRF के अनुरोध पर स्वीकृत इन फ्लैटों में तैनात जवान रहेंगे (इसमें परिवारों के रहने की अनुमति नहीं होगी)।

रेलवे शिक्षक भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल सूची जारी, 19 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), प्रयागराज ने केंद्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन संख्या 07/2024- मिनिसट्रियल एवं आइसोलेटेड कैटेगरीज) के अंतर्गत शिक्षक भर्ती के महत्वपूर्ण चरण का परिणाम घोषित कर दिया है। बोर्ड ने प्राथमिक रेलवे शिक्षक और सहायक अध्यापिका महिला जूनियर स्कूल के पदों पर भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन (डीवी) और चिकित्सा परीक्षा (मेडिकल) हेतु योग्य उम्मीदवारों की अनंतिम सूची जारी की है। इस चयन सूची में प्राथमिक रेलवे शिक्षक के लिए 17 अभ्यर्थी और सहायक अध्यापिका (महिला) जूनियर स्कूल पद के लिए 2 अभ्यर्थियों सहित कुल 19 उम्मीदवारों को अगले चरण के लिए सफल घोषित किया गया है।

रेलवे प्रशासन द्वारा संचालित स्कूलों में प्राथमिक रेलवे शिक्षक और जूनियर स्कूल सहायक अध्यापिका का पद अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ये शिक्षक रेलवे कॉलोनियों और परिसरों में रहने वाले रेल कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिक व माध्यमिक स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास, बुनियादी शैक्षणिक नींव मजबूत करने और विद्यालयीन गतिविधियों के कुशल संचालन में इन शिक्षकों की सीधी भूमिका रहती है। रेलवे के ये स्कूल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या संबंधित राज्य बोर्ड के मानकों के तहत संचालित होते हैं, जहाँ इन पदों पर चयनित अध्यापकों को शिक्षण कार्य, परीक्षा मूल्यांकन और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होता है।

10 से 12 सितंबर 2025 में हुई थी परीक्षा

बोर्ड के अनुसार, इन पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) का आयोजन 10 सितंबर 2025 से 12 सितंबर 2025 तक किया गया था। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों का टीचिंग स्किल टेस्ट 24 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 के बीच आयोजित हुआ था। दोनों चरणों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों को अब दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जा रहा है। अभ्यर्थियों को उनके ई-कॉल लेटर डाउनलोड करने की सूचना ईमेल और एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी। दस्तावेज सत्यापन पूरा होने के तुरंत अगले दिन अभ्यर्थियों को संबंधित रेलवे अस्पताल में चिकित्सा जांच के लिए भेजा जाएगा, जिसके लिए 24 रुपये का निर्धारित चिकित्सा शुल्क जमा करना होगा। प्रक्रिया में तीन से चार दिन का समय लग सकता है, इसलिए उम्मीदवारों को पूरी तैयारी के साथ आने की सलाह दी गई है। अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ उनकी दो सेट स्व-प्रमाणित फोटोकॉपी भी साथ लानी होगी।

क्यों खत लिखते रहना चाहिए? जानिए 5 कारण

आजकल ईमेल और संदेशों के दौर में खत लिखना एक पुरानी आदत लगती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि खत लिखना क्यों जरूरी है? आज के डिजिटल युग में भी खत लिखने की अपनी अहमियत है। यह न केवल हमारे विचारों को साफ तरीके से व्यक्त करने में मदद करता है, बल्कि हमारे रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। आइए जानते हैं कि खत लिखने के 5 अहम कारण क्या हैं।

भावनाओं को व्यक्त करने का बेहतरीन तरीका

खत लिखना एक ऐसा माध्यम है, जिससे हम अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

कई बार हम सीधे सामने बोलने में झिझकते हैं या सही शब्द नहीं खोज पाते, लेकिन लिखित रूप में हम पूरी सोच-समझ के साथ अपने विचार रख सकते हैं। इससे हमारा संदेश साफ और स्पष्ट रहता है।

इसके अलावा लिखित शब्दों में भावनाओं का गहरा असर होता है, जो कभी-कभी मौखिक शब्दों में नहीं हो पाता।

यादों को संजोने का तरीका

खत लिखने से हम अपने अनुभवों और यादों को संजो सकते हैं।

जब हम किसी खास पल को लिखते हैं तो वह पल हमारे मन में हमेशा के लिए जीवित रहता है। चाहे वह किसी खास दोस्त को लिखा गया पत्र हो या परिवार के सदस्य को भेजा गया संदेश, हर पत्र एक कहानी बयां करता है।

इन पत्रों को भविष्य में पढ़कर हम उन यादों को फिर से जी सकते हैं और अपने अतीत को याद कर सकते हैं।

रचनात्मकता को बढ़ावा देने का साधन

खत लिखना एक रचनात्मक प्रक्रिया होती है, जिसमें हम अपने विचारों को सजावट कर सकते हैं।

रंग-बिरंगे कागज, सुंदर पेन और आकर्षक लिखावट का उपयोग करके हम अपने पत्रों को खास बना सकते हैं।

इसके अलावा लिखते समय हमें शब्दों का सही चयन करना पड़ता है, जिससे हमारी शब्दावली भी बढ़ती है।

इस प्रकार खत लिखना न केवल संवाद का माध्यम है बल्कि रचनात्मकता को भी बढ़ावा देता है।

संबंधों को मजबूत बनाने में मददगार

खत लिखने से हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। जब हम किसी को पत्र लिखते हैं तो वह व्यक्ति महसूस करता है कि हम उसकी परवाह करते हैं और उसके बारे में सोचते हैं। इससे हमारे संबंध अधिक गहरे और स्थायी बनते हैं।

इसके अलावा खतों के माध्यम से हम अपने प्रियजनों से जुड़े रहते हैं और उनकी जिंदगी की छोटी-बड़ी बातों को जान पाते हैं।

आत्म-अनुशासन विकसित करने का तरीका

नियमित रूप से खत लिखना एक अच्छी आदत होती है, जो आत्म-अनुशासन विकसित करने में मदद करती है।

जब हम नियमित रूप से किसी को पत्र लिखते रहते हैं तो यह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है और हमें समय प्रबंधन सीखने में मदद मिलती है।

इस प्रकार खत लिखना केवल एक पुरानी आदत नहीं बल्कि कई लाभों से भरी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

बारिश के मौसम में छोटी-छोटी आदतें बचा सकती हैं बीमारियों से, अपनाएं सुरक्षित खान-पान का तरीका

बरसात का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ा देता है। इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण बैक्टीरिया व वायरस तेजी से फैलते हैं, जिससे पेट से जुड़ी परेशानियां, संक्रमण और मौसमी बीमारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में विशेषज्ञ खान-पान और पीने के पानी को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में साफ पानी पीना, ताजा भोजन करना और बाहर के अस्वच्छ खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने में मदद कर सकता है। सबसे अहम बात कि थोड़ी सतर्कता अपनाकर आप बरसात के मौसम का पूरी तरह आनंद ले सकती हैं।

उबला या फिल्टर का पानी पीएं

बरसात के मौसम में पानी के जल्दी दूषित होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में गंदे पानी के सेवन से पेट दर्द, दस्त, उल्टी और कई तरह के संक्रमण हो सकते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल उबला हुआ या अच्छी तरह फिल्टर किया हुआ पानी ही पीएं। साथ ही, घर से बाहर जाते समय भी पानी की अपनी बोतल साथ रखना बेहतर विकल्प है। पानी को खुले में रखने से बचें और पीने के बर्तन को साफ रखें। पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है।

जंक फूड और कटे हुए फल न खाएं

बारिश में सड़क किनारे मिलने वाले खाद्य पदार्थ जल्दी दूषित हो जाते हैं। वहीं साफ-सफाई की कमी के कारण, इसमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक खुले में रखे कटे हुए फल और खाद्य सामग्री में बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। इसलिए बरसात के दिनों में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। वहीं फल हमेशा ताजे खरीदें और उन्हें अच्छी तरह धोकर ही खाएं। आपकी यह आदत इस मौसम में आपको सुरक्षित और स्वस्थ रख सकती है।

खाने में ताजी सब्जियां और गर्म सूप

इस मौसम में शरीर को पोषण देने के लिए आप ताजी सब्जियों को भी अपने भोजन का हिस्सा बनाएं। हरी सब्जियां विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं, जिसकी इस मौसम सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसके अलावा गर्म सूप भी इस मौसम में फायदेमंद होते हैं। सब्जियों से बने सूप शरीर को गर्माहट देने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। एक जरूरी बात यह कि भोजन को अच्छी तरह पकाकर ही खाना खाएं, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा कम हो सके।

तले और मसालेदार खाने बनाएं दूरी

इस मौसम बारिश की टपकती बूंदों को देखकर अक्सर पकौड़े, तले हुए स्नैक्स और ज्यादा मसालेदार भोजन खाने का मन करता है, लेकिन इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र पर दबाव डालते हैं और गैस व एसिडिटी जैसी समस्याएं बढ़ाते हैं। इस मौसम में हल्का, संतुलित और आसानी से पचने वाला भोजन करना बेहतर रहता है। कम तेल और कम मसाले वाला खाना शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। बरसात का मौसम आनंद और ताजगी लेकर आता है, लेकिन सेहत के प्रति लापरवाही कई परेशानियां पैदा कर सकती है। इसलिए सुरक्षित पानी, साफ भोजन और संतुलित आहार अपनाकर इस मौसम में स्वस्थ रहा जा सकता है।

अचानक छत से टपकने लगा है पानी? इन 5 बातों पर दें ध्यान

अगर अचानक से पानी छत पर टपकने लगे तो सबसे पहले आपको घबराने की जरूरत नहीं है। यह समस्या आमतौर पर बारिश के मौसम में होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि पाइपलाइन का टूटना, छत पर जमी गंदगी या फिर छत की खराब स्थिति। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत और सावधानियां बताते हैं, जो आपको इस समस्या को सही ढंग से समझने और समाधान निकालने में मदद कर सकते हैं।

पानी कहां से आ रहा है, इसका पता लगाएं

सबसे पहले यह पता लगाएं कि पानी कहां से आ रहा है। क्या यह पाइपलाइन के कारण है या फिर छत की खराब स्थिति के कारण हो रहा है।

इसके लिए आपको छत के आसपास की दीवारों और फर्श को बारीकी से जांचना होगा।

अगर दीवारों पर पानी के धब्बे हैं तो यह पाइपलाइन का मुद्दा हो सकता है, वहीं अगर फर्श पर गंदगी जमी हुई है तो यह छत की खराब स्थिति का संकेत हो सकता है।

पाइपलाइन की स्थिति जांचें

अगर पानी टपकने का कारण पाइपलाइन है तो इसकी स्थिति जांचना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको अपने घर की सभी पाइपलाइनों को बारीकी से देखना होगा।

अगर कोई पाइप टूटी हुई या ढीली हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं या बदलें।

इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि पाइपलाइन में कोई रुकावट न हो और पानी आसानी से बह सके।

अगर जरूरत पड़े तो एक अच्छे प्लंबर से संपर्क करें और उसे समस्या के बारे में बताएं।

छत की स्थिति देखें

छत की स्थिति भी इस समस्या का एक अहम कारण हो सकती है। अगर आपकी छत पुरानी या खराब हालत में है तो उसमें दरारें या छेद हो सकते हैं, जिनसे पानी टपक सकता है।

इसके लिए आपको सबसे पहले इन दरारों और छेदों को ठीक करवाना होगा ताकि पानी का सही तरीके से निपटारा हो सके।

आप चाहें तो इन दरारों और छेदों को भरने के लिए सीमेंट या अन्य सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

गंदगी का जमाव न होने दें

अगर आपकी छत पर गंदगी जमी हुई है तो यह भी पानी के टपकने का कारण बन सकती है। खासकर अगर यह गंदगी पत्तियों या मिट्टी जैसी भारी चीजों की हो तो इसे तुरंत साफ करें।

इसके अलावा छत पर रखे पौधों की मिट्टी भी जांचें और अगर वह गीली हो तो उसे सुखाने की कोशिश करें।

इससे पानी का जमाव नहीं होगा और आपकी छत सुरक्षित रहेगी। नियमित सफाई से भी इस समस्या से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञ की मदद लें

अगर इन सभी तरीकों से समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है तो विशेषज्ञ की मदद लेना सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है।

इसके लिए आप किसी अच्छे बिल्डर या मरम्मत करने वाले से संपर्क करें, जो आपकी समस्या को सही तरीके से समझ सके और उसका समाधान निकाल सके।

इससे न केवल आपकी समस्या जल्दी हल होगी बल्कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए आपको सही दिशा-निर्देश भी मिलेंगे।

खाना बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, सेहत को होगा फायदा

खाना बनाना एक कला है, जिसमें सिर्फ तेल का इस्तेमाल ही नहीं होता। सही तरीके से खाना बनाकर हम अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने खाने को और भी सेहतमंद बना सकते हैं। इन तरीकों से आप न केवल स्वाद बढ़ा सकते हैं, बल्कि पोषण भी सुधार सकते हैं। आइए जानें कि कैसे आप रोजमर्रा की रसोई में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं।

तेल का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय तेल का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। ज्यादा तेल से न केवल खाने का स्वाद बिगड़ता है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है।

कोशिश करें कि खाना बनाते समय कम तेल का इस्तेमाल करें और उसे बार-बार न गर्म करें। इससे न केवल आपका खाना सेहतमंद रहेगा बल्कि आपके शरीर को अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलेगा।

सही मात्रा में तेल का उपयोग करने से स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में संतुलन बना सकते हैं।

सब्जियों को भूनने का तरीका बदलें

सब्जियों को भूनते समय अक्सर लोग ज्यादा तेल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे खाना तला हुआ सा लगने लगता है और उसमें अतिरिक्त कैलोरी शामिल हो जाती है।

इसकी बजाय आप सब्जियों को भूनने के लिए थोड़े पानी का उपयोग कर सकते हैं या ऐसे बर्तन में पकाएं जो चिपकता न हो। इससे न केवल कैलोरी कम होगी बल्कि सब्जियों का प्राकृतिक स्वाद भी बना रहेगा।

इस तरह आपका खाना सेहतमंद और स्वादिष्ट बनेगा।

मसालों का सही मिश्रण बनाएं

मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें पौष्टिक भी बनाते हैं, लेकिन कभी-कभी ज्यादा मसाले खाने का स्वाद बिगाड़ सकते हैं और पाचन पर असर डाल सकते हैं। इसलिए मसालों का सही मिश्रण बनाना जरूरी है ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक भी हो।

हल्दी, जीरा, धनिया जैसे मसालों का सही अनुपात मिलाकर इस्तेमाल करने से आपका खाना सेहतमंद बना रहेगा और पाचन पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

नमक का सही उपयोग करें

नमक हमारे खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका अधिक उपयोग हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

ज्यादा नमक खाने से रक्तचाप बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए नमक का सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है।

खाने में स्वाद लाने के लिए आप सेंधा नमक या काला नमक भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहतर होते हैं और स्वाद में भी अच्छे लगते हैं।

पानी का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय पानी का सही उपयोग करना भी अहम होता है।

ज्यादा पानी इस्तेमाल करने से खाना पतला हो जाता है और उसका स्वाद भी बिगड़ जाता है। इसलिए जितना संभव हो सके उतना कम पानी इस्तेमाल करें ताकि आपका खाना पौष्टिक बना रहे।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की रसोई को न केवल सेहतमंद बना सकते हैं बल्कि अपने खाने का स्वाद भी बढ़ा सकते हैं।

अमेरिका, चीन और इजरायल आगे, लेकिन भारत भी बन सकता है वैश्विक एआई पावर : एलेक्स कार्प

अमेरिकी सॉफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनी पैलेंटिर टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलेक्स कार्प ने कहा है कि भारत एक प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शक्ति के रूप में उभर सकता है। उन्होंने इसके लिए देश की तकनीकी प्रतिभा, ऊर्जा क्षेत्र में की गई पहल और उन्नत एआई मॉडल विकसित करने की क्षमता को प्रमुख कारण बताया।

आईएएनएस से बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि वह एआई के क्षेत्र में भारत का भविष्य कैसे देखते हैं तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत इस क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के विकास के लिए मॉडल डेवलपमेंट, ऊर्जा संसाधन और तकनीकी विशेषज्ञता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप लोग ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए कई रचनात्मक और व्यावहारिक कदम उठा रहे हैं।

कार्प ने एआई के विकास के लिए एनर्जी और टेक्निकल जानकारी को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि एआई के सामने आने वाली बड़ी बाधाओं में ऊर्जा और तकनीकी प्रतिभा शामिल हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हर देश के पास अपनी अलग तकनीकी क्षमताएं होती हैं और उन्हें उसी आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्प ने एआई को पिछले सौ वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह शायद पिछले 100 वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हो सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि एआई का इस्तेमाल अच्छे और बुरे दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

कार्प ने कहा इसका इस्तेमाल अच्छे कामों के लिए भी हो सकता है और गलत कामों के लिए भी। इसलिए जरूरी है कि विशेषज्ञ इसकी निगरानी करें। हर देश को अपनी जरूरतों के हिसाब से स्वतंत्र और स्वदेशी एआई सिस्टम विकसित करना होगा।

उन्होंने कहा, इस सम्मेलन की सबसे दिलचस्प बात यह है कि हर देश को यह तय करना होगा कि वह अपना खुद का एआई सिस्टम कैसे विकसित और नियंत्रित करेगा।

कार्प ने कहा, आप वेट्स को कैसे कंट्रोल करते हैं? आप डेटा को कैसे कंट्रोल करते हैं? आप यह कैसे पक्का करते हैं कि यह आपके अपने देश का ही हो? देशों को इन सवालों के जवाब खोजने होंगे।

कार्प ने कहा कि इस समय एआई के क्षेत्र में अमेरिका, चीन और इजरायल अग्रणी देशों में हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका, चीन और इजरायल इस समय सबसे आगे हैं, लेकिन दूसरे देशों के लिए भी जरूरी है कि वे अपनी एआई क्षमताएं विकसित करें और उनका सही उपयोग करें।

कार्प ने कहा कि एआई का उपयोग करने वाले संगठनों को केवल कंप्यूटिंग क्षमता ही नहीं, बल्कि ऐसा सिस्टम भी चाहिए जो यह तय कर सके कि कौन-सा डेटा किस मॉडल में इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा, आपको कंप्यूटिंग क्षमता चाहिए, एप्लिकेशन लेयर चाहिए और यह भी तय करना होगा कि किस जगह ओपन मॉडल और किस जगह क्लोज्ड मॉडल का इस्तेमाल करना है, ताकि महत्वपूर्ण जानकारी और सरकारी गोपनीयता सुरक्षित रहे।

कार्प ने बताया कि पैलेंटिर का प्लेटफॉर्म विभिन्न कंपनियों की ओर से विकसित एआई मॉडलों के साथ काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अमेरिकी तकनीकों को प्राथमिकता देती है, लेकिन व्यावसायिक बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का समर्थन भी करती है।

उन्होंने कहा, हमें यह मुकाबला जीतना होगा और अमेरिकी मॉडल सबसे बेहतर होने चाहिए। लेकिन केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं है कि लोग हमारे मॉडल इस्तेमाल करें, अगर वे महंगे हों और बेहतर भी न हों।

कार्प ने सरकारों को एआई से जुड़े नियम बनाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नियम जरूरी हैं, लेकिन उन्हें ऐसे लोगों की ओर से बनाया जाना चाहिए जो इस तकनीक को अच्छी तरह समझते हों।

पैलेंटिर टेक्नोलॉजीज एक अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी है, जिसकी सह-स्थापना एलेक्स कार्प ने 2003 में की थी। कंपनी ऐसे प्लेटफॉर्म विकसित करती है जो सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों को बड़े पैमाने पर डेटा को जोड़ने और उसका विश्लेषण करने में मदद करते हैं। पैलेंटिर खास तौर पर अमेरिकी रक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ काम करने के लिए जानी जाती है। इसके अलावा कंपनी मैन्युफैक्चरिंग, स्वास्थ्य सेवाओं, ऊर्जा और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों को भी सॉफ्टवेयर समाधान उपलब्ध कराती है।

गूगल पे-फोनपे को व्हाट्सएप की सीधी टक्कर! अब चैट ऐप से भरें बिजली, गैस, क्रेडिट कार्ड और फास्टैग के बिल

WhatsApp ने भारत में बिल पेमेंट की सुविधा शुरू की। इस फीचर की मदद से यूजर्स सीधे ऐप के अंदर ही घर और यूटिलिटी के बिल का पेमेंट कर सकते हैं। यह सर्विस 'भारत बिल पेमेंट सिस्टम' नेटवर्क पर आधारित है।

टेक कंपनी मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप ने भारत में बिल भुगतान सुविधा शुरू कर दी है। इसके तहत मैसेज भेजने और रिसीव करने की सुविधा देने वाले ऐप के जरिये बिजली, गैस, पानी समेत अपने रोजमर्रा के घरेलू बिलों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। व्हाट्सऐप ने बयान में कहा कि भारत कनेक्ट (बीबीपीएस) नेटवर्क के सहयोग से शुरू की गई इस सुविधा के तहत उपयोगकर्ताओं को बिजली, गैस, पानी, फास्टैग, बीमा, क्रेडिट कार्ड और कर्ज भुगतान समेत 30 श्रेणियों में 22,722 बिल जारी करने वाले संस्थानों तक पहुंच मिलेगी।

यह लॉन्च नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के उस डेटा के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें दिखाया गया था कि अगस्त 2026 में UPI प्रोसेसिंग ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की। इसमें ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़कर 24।51 अरब हो गई, जो जुलाई के मुकाबले 3।6 प्रतिशत ज्यादा है, जबकि ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 29।82 लाख करोड़ रुपए रही।साल-दर-साल के आधार पर, ट्रांजैक्शन की संख्या में 22 प्रतिशत और वैल्यू में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और औसत दैनिक ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़कर 791 मिलियन हो गई। जुलाई में 29।88 लाख करोड़ रुपए के 23।66 अरब ट्रांजैक्शन के बाद, अगस्त लगातार दूसरा महीना रहा जब UPI ट्रांजैक्शन की संख्या ने रिकॉर्ड बनाया।

मैसेजिंग ऐप से कर सकेंगे पेमेंट

बयान के अनुसार, व्हाट्सऐप पूरे देश में लोगों के लिए बिल भुगतान सुविधा चरणबद्ध तरीके से शुरू कर रहा है। आने वाले दिनों में यह सुविधा एंड्रॉयड तथा आईओएस के सभी वर्जंस के लिए उपलब्ध होगी। उल्लेखनीय है कि भारत में डिजिटल भुगतान परिवेश पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। इसके पीछे यूपीआई (एकीकृत पेमेंट इंटरफेस) को व्यापक रूप से अपनाया जाना, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और रोजमर्रा के लेनदेन की बढ़ती संख्या का ऑनलाइन होना प्रमुख कारण हैं।

कंपनी ने कहा कि व्हाट्सऐप पर बिल भुगतान के साथ लोग बिना व्हाट्सऐप छोड़े, संदेश भेजने जितनी आसानी से सुरक्षित तरीके से विभिन्न सेवाओं के लिए बिलों का भुगतान कर सकेंगे। बयान के अनुसार, उपयोगकर्ता होम स्क्रीन के ऊपर दिए गए आइकन पर टैप कर बिल भुगतान सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं, पुराने भुगतान और आगामी बिल देख सकते हैं, एक ही सर्विस प्रोवाइडर्स के तहत कई खातों का प्रबंधन कर सकते हैं और अपनी पसंद के भुगतान माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

मेट्रो टिकट से लेकर बीमा तक की खरीदारी

मेटा (भारत) के एमडी एवं क्षेत्रीय प्रमुख अरुण श्रीनिवास ने कहा कि लाखों भारतीयों के लिए व्हाट्सऐप परिवार और दोस्तों से जुड़े रहने, कंपनियों से बातचीत करने, नागरिक सेवाओं का इस्तेमाल करने और मेट्रो टिकट से लेकर बीमा तक की खरीदारी करने का सबसे आसान माध्यम है। इसके लिए ऐप से बाहर निकलने की भी जरूरत नहीं है। श्रीनिवास ने कहा कि हम इसके जरिये बिल भुगतान की सुविधा को सुगम बना रहे हैं। अब अलग-अलग ऐप पर जाने या कई भुगतान तिथियों पर नजर रखने की जरूरत नहीं होगी। हम व्हाट्सऐप पर बिल का भुगतान संदेश भेजने जितना आसान बनाना चाहते हैं और देश के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक डिजिटल भुगतान की सुविधा पहुंचाने में मदद करना चाहते हैं।

क्या हैं खास फीचर्स

घर के बिलों की समरी: बिल पहले से ही फेच (fetch) हो जाते हैं, और जिन बिलर्स को पहले WhatsApp बिल पेमेंट के जरिए पेमेंट किया गया है, वे 'पेमेंट्स होम' पर दिखाई देते हैं ताकि उन्हें एक टैप में एक्सेस किया जा सके।

हर बिलर के लिए कई अकाउंट: यूजर्स एक ही प्रोवाइडर के तहत घर, ऑफिस और परिवार के बिलों को एक ही जगह मैनेज कर सकते हैं।

'पेमेंट्स होम' पर पॉपुलर कैटेगरी: अक्सर इस्तेमाल होने वाली बिल कैटेगरी अपने आप दिखाई देती हैं, साथ ही 20 से ज्यादा कैटेगरी की पूरी लिस्ट देखने के लिए "सभी देखें" (See All) का ऑप्शन भी मिलता है।

WhatsApp बिल पेमेंट का इस्तेमाल कैसे करें?

WhatsApp खोलें और होम स्क्रीन के ऊपर दिए गए रुपए के आइकन पर टैप करें।

बिल कैटेगरी और बिलर चुनें।

अकाउंट की जानकारी डालें और कन्फर्म करें।

फेच किए गए बिल की रकम और जरूरी जानकारी को चेक करें।

पेमेंट का तरीका चुनें: UPI, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड, उसके बाद पेमेंट कन्फर्म करें।

WhatsApp भारत में पहले से ही कई रोजमर्रा के कामों में मदद करता है, जैसे मोबाइल रिचार्ज, अलग-अलग शहरों में मेट्रो टिकट बुकिंग और सरकारी चैटबॉट्स के ज़रिए नागरिक सेवाओं तक पहुंच शामिल है। बिल पेमेंट के साथ, कंपनी इस सुविधा को रेगुलर यूटिलिटी पेमेंट तक बढ़ा रही है, और यह सब उसी चैट इंटरफेस में हो रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश भर में UPI से जुड़े डिजिटल ट्रांजैक्शन तेजी से बढ़ रहे हैं। कंपनी ने कहा कि बिल पेमेंट सुविधा को धीरे-धीरे पूरे भारत में रोल आउट किया जाएगा और आने वाले हफ्तों में यह सभी Android और iOS यूजर्स के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

भारत में UPI का जबरदस्त उछाल

अप्रैल 2016 में NPCI द्वारा शुरू किए गए UPI ने इस साल की शुरुआत में अपने कामकाज का एक दशक पूरा कर लिया। लॉन्च के बाद से सालाना ट्रांजैक्शन की संख्या में लगभग 12,000 गुना बढ़ोतरी हुई है – वित्त वर्ष 2016-17 में 2 करोड़ ट्रांजैक्शन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,161 करोड़ से ज्यादा हो गई, और साल भर में ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 314 लाख करोड़ रुपए को पार कर गई। अगस्त 2025 में पहली बार मासिक ट्रांजैक्शन की संख्या 2,000 करोड़ के पार पहुंची थी। दिसंबर 2025 में उस दशक का सबसे ज्यादा मासिक वॉल्यूम (2,163 करोड़ ट्रांजैक्शन) दर्ज किया गया, और बाद में अगस्त 2026 में एक नया ऑल-टाइम हाई (अब तक का सबसे ऊंचा स्तर) बना।

इस नेटवर्क से अब 700 से ज्यादा बैंक जुड़े हुए हैं, जबकि लॉन्च के समय इनकी संख्या सिर्फ 21 थी। यह दुनिया भर में होने वाले रियल-टाइम पेमेंट ट्रांजैक्शन वॉल्यूम का लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा है – एक ऐसी उपलब्धि जिसे इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) ने जून 2025 में मान्यता दी थी। UPI आठ देशों में भी काम कर रहा है, जिनमें UAE, सिंगापुर, फ्रांस, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मॉरिशस और कतर शामिल हैं।

UPI ट्रांजैक्शन के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) पेमेंट की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है। इसमें मुख्य रूप से छोटी रकम वाले पेमेंट शामिल हैं। ऐसे 86 प्रतिशत ट्रांजैक्शन 500 रुपए से कम के हैं, जो रोज़मर्रा की खुदरा खरीद और दैनिक व्यापार में UPI की गहरी पैठ को दर्शाता है। वहीं, ट्रांजैक्शन वैल्यू के मामले में पर्सन-टू-पर्सन (P2P) ट्रांसफर का दबदबा है, जिनकी हिस्सेदारी 71 प्रतिशत है। यह दिखाता है कि लोग अभी भी ज्यादा रकम वाले ट्रांजैक्शन के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

ईरान से लड़ाई को जंग नहीं मानता अमेरिका, जेडी वेंस ने बताया कब होगी तेहरान से बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को ईरान के साथ छह महीने से जारी अमेरिकी संघर्ष को युद्ध कहने से इनकार किया। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि यह लड़ाई 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन से पहले खत्म होगी या नहीं। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वेंस ने कहा, मैं इसे युद्ध नहीं कहूंगा। वेंस ने कहा, जब उनसे पूछा जाता है कि लड़ाई कब खत्म होगी, तो असल सवाल यह है कि ईरान जहाजों पर हमला करना कब बंद करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जवाब उन्हें नहीं पता। यह सवाल ईरान से पूछा जाना चाहिए। जब तक ईरान होर्मुज में जहाजों पर हमले बंद नहीं करेगा, उससे कोई बातचीत नहीं होगी। खास बात यह है कि लड़ाई शुरू होने के

समय व्हाइट हाउस ने कहा था कि यह संघर्ष सिर्फ कुछ हफ्तों तक चलेगा।

इधर, ईरान में शादी समारोह के दौरान हुए हमले को लेकर अमेरिका ने जांच शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के एनालिसिस में दावा किया गया है कि इस हमले में अमेरिकी हथियार सीधे लगा हो सकता है। अमेरिका ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका इस घटना की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जानना चाहती है कि वहां वास्तव में क्या हुआ। वेंस ने कहा कि अगर अमेरिकी सेना से गलती हुई है तो उससे सीखकर आगे उसे सुधारने की कोशिश की जाएगी।

यह घटना 1 सितंबर को ईरान के दक्षिण में हुई। एक घर में शादी का कार्यक्रम चल रहा था, तभी जोरदार विस्फोट हुआ। ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक, गुरुवार को अस्पताल में 22 साल की एक महिला की मौत हो गई। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या 5 हो गई। ईरानी अधिकारियों के अनुसार करीब 70 लोग घायल हुए हैं। यह हमला सिरिक काउंटी के कुहेस्तक गांव में हुआ। यह इलाका होर्मुज स्ट्रेट के तट के पास है। मंगलवार को इस इलाके में अमेरिका ने भारी हवाई हमले किए थे। गुरुवार शाम मृतकों के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

वेपन एक्सपर्ट्स की जांच में क्या पता चला?

रॉयटर्स ने घटना के वीडियो और तस्वीरों को चार सैन्य हथियार एक्सपर्ट्स से जांचवाया। इन्होंने कहा कि इमारत को हुआ नुकसान किसी हथियार के सीधे लगने जैसा है। यह नुकसान किसी दूसरे टारगेट से टकराकर हथियार के रास्ता बदलने यानी रिकॉशे जैसा नहीं दिखता। चार में से तीन एक्सपर्ट्स ने कहा कि हथियार संभवतः अमेरिकी था, न कि ईरान की वायु रक्षा से भटका हुआ मिसाइल। एक एक्सपर्ट ने कहा कि हथियार शायद अपने असली लक्ष्य से चूक गया हो।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसे ईरान की रिपोर्ट्स की जानकारी है, लेकिन अमेरिका नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाता। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि जांच में कई संभावनाएं देखी जा रही हैं। इनमें अमेरिकी हमला, ईरानी एयर डिफेंस मिसाइल का रिकॉशे या किसी इंटरसेप्टर का भटक जाना शामिल है।

यह घटना उस हमले के करीब छह महीने बाद हुई है, जिसमें ईरान के मुताबिक एक मिसाइल ने एक प्राइमरी स्कूल को तबाह कर दिया था और 175 से ज्यादा बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। रॉयटर्स ने पहले बताया था कि अमेरिकी सेना की शुरुआती अंदरूनी जांच में उस हमले के लिए अमेरिकी सेना को जिम्मेदार माना गया था। हालांकि, पेंटागन ने जांच रिपोर्ट पब्लिक नहीं की है।

अमेरिकी हमले के बाद तेल की कीमतें बढ़ीं

मंगलवार को अमेरिका ने ईरान के तट पर सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। अमेरिका ने इसे होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के जहाजों पर हमलों का जवाब बताया। इसके बाद तेल की कीमतें बढ़ीं और गुरुवार को ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया।

ईरान ने अमेरिकी हमलों में 18 लोगों की मौत बताई। जवाब में उसने इराक, जॉर्डन, कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। कुवैत ने कहा कि उसकी एयर डिफेंस ने मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया। हालांकि, गुरुवार को दोनों पक्षों की ओर से कोई बड़ा हमला नहीं हुआ और जुलाई के बाद का सबसे बड़ा तनाव कुछ कम होता दिखा।

बाढ़ के 9 दिनों बाद भारतीय सेना को मिली बड़ी सफलता, नेपाल में टनल खोदकर 2 को जिंदा बचाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और तबाही के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने राहत और बचाव अभियान में उम्मीद की नई किरण जगा दी है। जिस सुरंग में जिंदगी की कोई उम्मीद लगभग खत्म मानी जा रही थी, वहां से 9 दिन बाद दो लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया है। मलबे, कीचड़ और पानी से भरी सुरंग के भीतर जिंदगी की तलाश कर रहे बचाव दलों के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस अभियान में नेपाली सेना के साथ भारतीय सेना की तकनीकी टीमों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी, सोशल मीडिया पर बाढ़ का मंजर देखा जा सकता है। बाढ़ और मलबे ने कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को अपनी चपेट में ले लिया। कई सुरंगों में काम कर रहे कर्मचारी अचानक आई बाढ़ के बाद लापता हो गए। सुरंगों के भीतर पानी, कीचड़ और मलबे का ऐसा जाल बन गया था कि वहां पहुंचना बेहद मुश्किल था। इसके बावजूद बचाव दलों ने उम्मीद नहीं छोड़ी।

श्रमिकों की तलाश जारी है

करीब चार किलोमीटर लंबी सुरंग में 40 लापता श्रमिकों की तलाश जारी है। वीडियो में बचावकर्मी एक श्रमिक को छोटे गड्ढे से बाहर निकालते नजर आए। जिन्हें बाहर निकाला गया है उनकी पहचान संजय शाह और कबीर महार्जन के रुप में हुई है। बाहर आने के बाद दोनों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता दी गई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी सामने आया है , जिसमें एक छोटे से गड्ढे से एक व्यक्ति को बचाव कर्मी बाहर निकालते दिख रहे हैं और उसके बाहर आते ही सभी ने तालियां बजाईं।

रेस्क्यू के लिए अभियान

इनमें भी खास बात ये है कि बचाव अभियान के दौरान सुरंग के अंदर से कुछ आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे अन्य लोगों के जीवित होने की उम्मीद बढ़ी है। अधिकारियों के मुताबिक, नेपाल की विभिन्न ऊर्जा परियोजनाओं में 900 से ज्यादा श्रमिक अब भी लापता हैं। नेपाल में आए इस बाढ़ में 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इस रेस्क्यू की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि नेपाल में बाढ़ के बाद कई हाइड्रोपावर साइटों पर सैकड़ों कर्मचारी अब भी लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में बाढ़ के इतने दिन बाद दो लोगों का जिंदा मिलना बाकी बचाव अभियानों के लिए भी उम्मीद पैदा करता है। सुरंगों के भीतर फंसे लोगों को बचाने के लिए सेना और विशेषज्ञ टीमें लगातार अभियान चला रही हैं।

कॉकरोच छोड़िए! चीन को स्टूडेंट गेंग ने हिलाया, बीजिंग के 4 ताकतवर शख्स की ले ली कुर्सी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक PhD छोड़ चुके छात्र और सोशल मीडिया ब्लॉगर गेंग होंगवेई, जिन्हें ऑनलाइन स्टूडेंट गेंग के नाम से जाना जाता है, ने रिसर्च पेपर और वैज्ञानिकों के काम पर सवाल उठाए। उनकी पोस्ट के बाद मामला इतना बड़ा हुआ कि चीन की सबसे बड़ी बेसिक रिसर्च फंडिंग संस्था चीन के राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन (NSFC) ने एकैडमिक गड़बड़ी के मामलों की बड़ी जांच शुरू कर दी।

मामला सिर्फ किसी एक वैज्ञानिक या एक यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रहा। NSFC ने 26 अगस्त को 31 यूनिवर्सिटी और अस्पतालों से जुड़े 31 नए मामलों की जानकारी सार्वजनिक की। इनमें 40 से ज्यादा शोधकर्ता शामिल हैं। यह NSFC की ओर से अकादमिक गड़बड़ी के मामलों का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक खुलासा बताया जा रहा है।

चीन में इन दिनों स्टूडेंट गेंग नाम सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है, जिसका असली नाम गेंग होंगवेई है। वह कोई सरकारी अधिकारी या बड़े संस्थान के प्रोफेसर नहीं, बल्कि रिसर्च बैकग्राउंड वाले साइंस कम्युनिकेटर हैं। उन्होंने चीन की जिलिन यूनिवर्सिटी से बायोलॉजी में ग्रेजुएशन और मास्टर डिग्री की। इसके बाद उन्होंने बेइहांग यूनिवर्सिटी में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में PhD शुरू की थी।

कैसे शुरू हुआ ये मामला?

रिपोर्ट के मुताबिक, गेंग ने अपने सुपरवाइजर के साथ कथित तौर पर प्रयोगों के डेटा में हेरफेर करने से इनकार किया और PhD बीच में छोड़ दी। इसके बाद वह फुल-टाइम साइंस कम्युनिकेटर बन गए। अप्रैल 2026 से उन्होंने सोशल मीडिया पर एकेडमिक फ्रॉड के खिलाफ अभियान शुरू किया। गेंग ने अपने वीडियो और पोस्ट में चीन के बड़े विश्वविद्यालयों के रिसर्च पेपर की जांच करते हैं और उनमें कथित फर्जी या गलत डेटा को लेकर सवाल उठाते हैं।

उनकी जांच की चपेट में बड़ें संस्थानों से जुड़े शोधकर्ता आए। खास बात यह है कि गेंग ने ये आरोप अपने असली नाम से लगाए। उनके खुलासों के बाद कई विश्वविद्यालयों ने जांच शुरू की और कुछ मामलों में शोधकर्ताओं को पद से हटाने या डिमोट करने जैसी कार्रवाई भी हुई। जुलाई 2026 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गेंग के सोशल मीडिया पर करीब 20 लाख फॉलोअर्स हैं।

चार बड़े प्रोफेसर भी जांच के घेरे में

गेंग ने अप्रैल में जिन चार प्रमुख प्रोफेसरों के रिसर्च पर सवाल उठाए थे, वे भी अब कार्रवाई के दायरे में हैं। ये चारों चीन के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान कोष द्वारा प्रतिष्ठित युवा विद्वानों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इनमें से तीन अपने संस्थानों में डीन या एसोसिएट डीन की भूमिका निभा चुके थे। NSFC ने इन चारों की फंडिंग और सम्मान वापस लेने के साथ उन्हें पहले मिले 1 करोड़ युआन से ज्यादा के रिसर्च ग्रांट लौटाने का आदेश दिया है। साथ ही उन्हें 3 से 7 साल तक नई फंडिंग के लिए आवेदन करने से रोक दिया गया है।

संसद मार्ग थाने पर सीजेपी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपनी कार्यकर्ता निशु आज़ाद और उनके पिता संजय के लिए न्याय की मांग करने नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, "जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हमारी साथी निशु के पिता संजय के साथ मारपीट हुई, उनका सिर फोड़ा गया। खुलेआम ये घटना हुई।

आशुतोष रांका ने कहा, "लगातार हमारी टीम सौरव और हमारी पूरी टीम दिल्ली पुलिस से मांग करती रही कि इन गुंडों को आप गिरफ्तार करें, इन पर हत्या के प्रयास का चार्ज लगाएं लेकिन दिल्ली पुलिस सोती रही। अब देश की राजधानी में हालात ऐसे हो गए हैं कि गुंडे ये खुलेआम कबूल कर रहे हैं कि उन्होंने संजय का सिर फोड़ा, पूरी कोशिश थी उन्हें जान से मारने की।"

'जिन्होंने कबूल किया उनपर कार्रवाई हो'

रांका ने मांग करते हुए कहा, " वो खुद कबूल कर रहे हैं कि उस पर हत्या के प्रयास का केस बनता था लेकिन दिल्ली पुलिस ने कपिल मिश्रा और भाजपा के गुंडों की शय पर उस व्यक्ति के साथ कुछ नहीं किया। आज देश के लिए, हमारे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन है जहां पर खुलेआम गुंडागर्दी करने वाले लोग दावा करते हैं कि उन्होंने किसी को जान से मारने का प्रयास किया लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। हमारी पूरी टीम निशु और उनके पिता, संजय के साथ पहले दिन से खड़ी रही है। हम दिल्ली पुलिस से मांग करेंगे कि इन गुंडों को, जिन्होंने खुद की पहचान बताई है, उन्हें गिरफ्तार किया जाए, उन पर हत्या के प्रयास की धाराएं लगाई जाएं, जितनी भी संगीन धाराएं उन पर लगती हैं, लगाई जाएं।"

'पहले पुलिस संगीन अपराध करने वालों को जेल में डाले'

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, "जंतर-मंतर पर जब हमारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन चल रहा था तो यहां पर हिंसा हुई। ये अपराधिक गैंग दिल्ली में पहले से भी हिंसा करती आ रही है। ये लोग इतने समय से दिल्ली में खुलेआम क्यों घूम रहे हैं, ये हमारी समझ से परे है। दिल्ली पुलिस बार-बार कह रही थी कि जंतर-मंतर पर 2800 से ज्यादा घोर अपराधियों की पहचान की गई तो आप उन लोगों को ये छूट क्यों देना चाह रहे हैं?" सौरव ने बताया, "हमने कहा कि उन 2800 अपराधियों की पहचान की जाए और यदि उन्होंने कोई संगीन अपराध किया है तो आप उनके खिलाफ कार्रवाई करें, जेल में डालें... क्या कानून व्यवस्था दिल्ली में इतनी दुर्बल हो गई है? दिल्ली पुलिस को जवाब देना चाहिए। आज हम इसलिए आए हैं क्योंकि तब से लेकर अब तक दिल्ली पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। पहले दिन से हम लोग सभी छात्रों के साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे..." CJP की लीगल टीम, सौरव दास, चन्द्र शेखर आज़ाद, निशु आज़ाद से पुलिस मीटिंग की।

समर्थन के लिए पहुंचे चंद्रशेखर आज़ाद

आज़ाद समाज पार्टी- कांशी राम के अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद भी नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे। वे CJP नेताओं सौरव दास और आशुतोष रंका का समर्थन करने आए हैं, जो अपनी नेता निशु आज़ाद और उनके पिता संजय के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस स्टेशन के बाहर पुलिस और सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

'राहुल गांधी ने मदद का दिलाया था भरोसा'

निशु आज़ाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मदद की गुहार लगाई थी, जिसके बाद उन्होंने न्याय दिलाने का आश्वासन दिलाया था। राहुल ने निशु के वीडियो को रीपोस्ट करते हुए लिखा, "घबराने की जरूरत नहीं है। मैं तुम्हारे साथ हूं। साफ है कि तुम्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि तुम अपने समुदाय और छात्रों के हक़ की आवाज़ उठाती हो। अमित शाह की दिल्ली पुलिस एक तरफ़ छात्रों के साथ अमानवीय बर्बरता करती है। दूसरी तरफ़ एक दलित लड़की के पिता का सिर फोड़ने वाला अपराधी खुलेआम घूम रहा है। नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी ऐसे अपराधी को आपका और आपकी पार्टी के लोगों का संरक्षण क्यों है? अब भी कार्रवाई होगी या किसी को बचाते रहेंगे? निशु, तुम्हारी लड़ाई अकेली नहीं है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक न्याय नहीं मिल जाता। जय भीम, जय संविधान।

कब शुरू हुआ था देसी गर्ल और निक की मोहब्बत का सफर? प्रियंका ने डेटिंग के दिनों को याद किया

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हमसफर निक जोनस के साथ रिलेशनशिप के शुरुआती दोनों को याद किया है। साथ ही कुछ अनदेखी रोमांटिक तस्वीरें भी साझा की हैं।

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं। साल 2018 में उन्होंने निक जोनस से शादी रचाई और सात समंदर पार जाकर बस गईं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस के साथ डेटिंग के दिनों की यादें ताजा की हैं।

कब शुरू हुआ था निक-प्रियंका की बातचीत का सिलसिला?

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने साल 2018 में शादी रचाई थी। कपल के एक बिटिया मालती है। निक और प्रियंका चोपड़ा की बातचीत का सफर नौ साल पहले यानी साल 2017 में शुरू हुआ था। प्रियंका चोपड़ा ने निक को अपना नंबर दिया था।

प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने निक जोनस के साथ अपने शुरुआती रिश्ते के कुछ ऐसे पल शेयर किए हैं, जो पहले कभी नहीं देखे गए। इसी के साथ उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने साल 2017 की गर्मियों में निक को अपना नंबर दिया था। इस पोस्ट में उन्होंने इस याद को जोनस ब्रदर्स के नए गाने 'लिसन व्हेन सैड' से जोड़ा।

प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन लिखा है, 'ओह हां! मुझे याद है कि मैंने गर्मियों में तुम्हें अपना नंबर दिया था। साल 2017 की गर्मियों में'। इसी के साथ जानकारी दी है कि जोनस ब्रदर्स का नया गाना 'लिसन व्हेन सैड' रिलीज हो गया है।

परिणीति चोपड़ा ने क्या लिखा?

प्रियंका चोपड़ा पुरानी यादों में खोई नजर आई हैं। उन्हें याद है कि निक और उनकी मोहब्बत का सफर कैसे और कब शुरू हुआ। उन्होंने डेटिंग के दिनों की कुछ अनदेखी और पुरानी तस्वीरों का एक मोंटाज पोस्ट किया है। बैकग्राउंड में जोनस ब्रदर्स का नया गाना बज रहा था। इस गाने में निक उस गर्मी के मौसम के बारे में गा रहे हैं, जब उनकी लव स्टोरी शुरू हुई थी। इस पोस्ट पर प्रियंका की चचेरी बहन और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी कमेंट किया है। परिणीति ने लिखा है, 'वाह, गोवा वाली ट्रिप तो जबर्दस्त थी'।

एक्स पर साझा किए थे नंबर

साझा किए गए मोंटाज में प्रियंका और निक के रिश्ते की शुरुआती दिनों की झलक दिखाई गई है।

निक की भारत की पहली यात्रा की तस्वीरें भी शामिल हैं। साथ ही, मेट गाला में उनकी चर्चा में रही मौजूदगी की झलकियां भी हैं।

एक तस्वीर में यह कपल प्रियंका की कजिन परिणीति चोपड़ा और उनके भाई सिद्धार्थ चोपड़ा के साथ भी नजर आया।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक-दूसरे से नंबर शेयर किए थे।

दोनों के बीच रोमांस पनपा और अगस्त 2018 में इन्होंने सगाई कर ली।

बाद में दिसंबर 2018 में राजस्थान में शाही अंदाज में इनकी शादी हुई।

प्रियंका और निक ने हिंदू और क्रिश्चियन, दोनों रीति-रिवाजों से शादी की।

साल 2022 में कपल ने सरोगेसी के जरिए बेटी मालती का स्वागत किया।

प्रियंका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो फिल्म 'वाराणसी' के जरिए लंबे वक्त बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

फिल्म मिर्जापुर : द मूवी का धमाकेदार गाना घूम घूम रिलीज, मुन्ना भैया और रवि किशन संग थिरकीं सोनल चौहान

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपार सफलता और लोकप्रियता हासिल करने के बाद मिर्जापुर की खूंखार और रोमांचक दुनिया अब बड़े पर्दे पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के बैनर तले बनी बहुचर्चित फिल्म मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। सेंसर बोर्ड से फिल्म को ए सर्टिफिकेट भी मिल गया है। फिल्म की ग्रैंड रिलीज में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है और दर्शकों के बीच उत्सुकता चरम पर है। इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का नया हाई-वोल्टेज पार्टी ट्रैक घूम घूम जारी कर दिया है।

नए रिलीज हुए इस स्पेशल डांस नंबर में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान का बेहद ग्लैमरस और ऊर्जावान अवतार देखने को मिल रहा है। सोनल अपने सिजलिंग डांस स्टेप्स से स्क्रीन पर आग लगाती नजर आ रही हैं। उनका साथ दे रहे हैं फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता दिव्येंदु और रवि किशन, जो गाने में सोनल के साथ थिरकते हुए महफिल लूट रहे हैं। तीनों कलाकारों का यह अनोखा अंदाज और शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री इस गाने को एक परफेक्ट कमर्शियल चार्टबस्टर बनाती है।

संगीत की दृष्टि से घूम घूम गाना हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देने वाला ट्रैक है। इस धमाकेदार गाने को मशहूर गायिका राशमीत कौर और संगीतकार रे ने अपनी आवाज से सजाया है। गाने का कैची म्यूजिक रे द्वारा ही तैयार किया गया है, जबकि इसके ऊर्जावान बोल जाने-माने गीतकार कुमार ने लिखे हैं। जैसे ही मेकर्स ने सोशल मीडिया पर गाने को शेयर करते हुए 4 सितंबर की रिलीज का रिमाइंडर दिया, वैसे ही यह ट्रैक म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया रील्स पर ट्रेंड करने लगा।

निर्देशक गुरमीत सिंह और लेखक पुनीत कृष्णा की यह फिल्म वेब सीरीज के प्रशंसकों के लिए एक बिल्कुल नया और अनूठा अनुभव लेकर आ रही है। इस थिएट्रिकल वर्जन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर और मोहित मलिक जैसे अनुभवी कलाकारों की फौज भी सिनेमाघरों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरती नजर आएगी। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म 4 सितंबर को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

किच्चा सुदीप का जन्मदिन पर तोहफा, पीरियड ड्रामा फिल्म सुदीप 47 के शीर्षक का किया ऐलान

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता किच्चा सुदीप ने अपने जन्मदिन के अवसर पर अपनी आगामी ऐतिहासिक फिल्म 'देवराय' का शानदार पहला लुक जारी किया। फिल्म में सुदीप विजयनगर साम्राज्य के महान सम्राट श्री कृष्णदेवराय की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनके शाही अंदाज ने प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

पहले लुक में सुदीप को श्री कृष्णदेवराय के रूप में दिखाया गया है। वह सिर पर भव्य मुकुट और पारंपरिक राजसी पोशाक पहने नजर आ रहे हैं। उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व और शाही रूप फिल्म के भव्य ऐतिहासिक परिवेश की झलक देता है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है और इसमें विजयनगर साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास को पर्दे पर उतारने का प्रयास किया जाएगा।

श्री कृष्णदेवराय ने वर्ष 1509 से 1529 तक विजयनगर साम्राज्य पर शासन किया था। उन्हें अपनी सैन्य विजय, कुशल प्रशासन तथा साहित्य, कला और संस्कृति को संरक्षण देने के लिए जाना जाता है। उनके शासनकाल को विजयनगर साम्राज्य के सबसे समृद्ध दौर में गिना जाता है। ऐसे महान ऐतिहासिक व्यक्तित्व की भूमिका निभाना सुदीप के लिए भी एक महत्वपूर्ण चुनौती माना जा रहा है।

'देवराय' का निर्माण पीपल मीडिया फैक्ट्री और सुप्रियान्वी पिक्चर स्टूडियो के सहयोग से किया जा रहा है। पीपल मीडिया फैक्ट्री इससे पहले 'कार्तिकेय 2', 'धमाका' और 'ब्रो' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुकी है, जबकि सुप्रियान्वी पिक्चर स्टूडियो भी कई चर्चित परियोजनाओं से जुड़ा रहा है।

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी गौरा हरि संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका संगीत फिल्म के भव्य शाही परिवेश और ऐतिहासिक माहौल को और प्रभावशाली बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

फिल्म के निर्देशक और अन्य प्रमुख कलाकारों के नाम फिलहाल सामने नहीं आए हैं। हालांकि निर्माताओं ने इसकी दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने की घोषणा कर दी है।

कन्नड़ सिनेमा की कई सफल फिल्मों में अपने अभिनय का प्रभाव छोड़ चुके किच्चा सुदीप अब एक महान ऐतिहासिक शासक की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का बड़े पैमाने पर निर्माण, भव्य शाही दृश्य और श्री कृष्णदेवराय की गौरवशाली गाथा इसे सुदीप के करियर की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com